NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 14 अंकः 91 लखनऊ, शनिवार 16 नवंबर 2024 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

'कृषि भारत' कार्यक्रम फसलों के विविधीकरण और किसानों की आमदनी को बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 04 दिवसीय 'कृषि भारत' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'कृषि भारत' कार्यक्रम कृषि क्षेत्र में तकनीक के आदान–प्रदान, कृषि व उद्यमिता को जोड़ने, फसलों के विविधीकरण और किसानों की आमदनी को बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उत्तर प्रदेश ने कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन व डेयरी सेक्टर में अपने उत्पादन को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। लेकिन इनमें अभी भी अनेक सम्भावनाएं विद्यमान हैं। कृषि में तकनीक का इस्तेमाल करके हम वर्तमान उत्पादन को तीन से चार गुना अधिक बढ़ा सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी आज यहां 'कृषि भारत' के शुभारम्भ कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री जी ने 04 दिवसीय 'कृषि भारत' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष नीदरलैण्ड की राजदूत सु मारिसा गेरार्ड व प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने एम0ओ0यू0 का आदान–प्रदान

किया। मुख्यमंत्री जी को उत्तर प्रदेश माइक्रो इरिगेशन प्रोग्राम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्राप्त आई0एस0ओ0 सर्टिफिकेट भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सी0आई0आई0) प्रदेश सरकार के साथ मिलकर कृषि क्षेत्र में डिजिटल कृषि और टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों की आमदनी को बढ़ाने के दृष्टिगत 'कृषि भारत' कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। सी0आई0आई0 एग्रोटेक इण्डिया वर्ष 2000 से 'कृषि भारत' कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। यह आयोजन पहली बार चण्डीगढ़ से हटकर उत्तर प्रदेश में आयोजित हो रहा है। इस दृष्टि से यह कार्यक्रम काफी मायने रखता है। चार दिवसीय 'कृषि भारत' कार्यक्रम में नीदरलैण्ड भागीदार देश है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, स्पेन, युगांडा, यू0के0 आदि देश इस कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र से जुड़े विषय–विशेषज्ञ व स्टेक होल्डर्स 'कृषि भारत' कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कृषि भारत कार्यक्रम देश के अलग–अलग एग्रो क्लाइमेटिक जोन के अन्नदाता किसानों व लोगों को एक–दूसरे से अपने अनुभव, तकनीक को साझा करने व कुछ नया सीखने का मंच प्रदान करता है। इस दिशा में नीदरलैण्ड की राजदूत सु मारिसा गेरार्ड ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर अच्छा कार्य किया है। आज उत्तर प्रदेश व नीदरलैण्ड के मध्य एक एम0ओ0यू0 यहां पर हुआ है। इसी प्रकार से यहां पर जी0टू0जी0 के साथ–साथ बी0टू0बी0 के भी कुछ एम0ओ0यू0 सम्पन्न हुए हैं।

विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने किया दशकों तक राज, बीजेपी को इस चुनाव में अपनी जीत का भरोसा

एजेंसी।

महाराष्ट विधानसभा चुनाव सिर्फ पांच दिन बाद एक ही चरण में चुनाव होंगे जो 20 नवंबर को किए जाएंगे। जिसके बाद राज्य में 23 नवंबर को मतगणना होगी। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। ऐसे में सभी क्षेत्रीय दल से लेकर राष्ट्रीय दल जीत के लिए जनता के द्वार पहुंच रहे हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव सिर्फ पांच दिन बाद एक ही चरण में चुनाव होंगे जो 20 नवंबर को किए जाएंगे। जिसके बाद राज्य में 23 नवंबर को मतगणना होगी। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। ऐसे में सभी क्षेत्रीय दल से लेकर राष्ट्रीय दल जीत के लिए जनता के द्वार पहुंच रहे हैं। अब जनता किसे अपना नेता चुनेगी, ये तो चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा। लेकिन

किस विधानसभा में किस पार्टी के उम्मीदवार को जनता ने अपना नेता चुना है, और आगे किस पार्टी के उम्मीदवार को अपना नेता चुनेगी। यह स्थिति परिमाण आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेगी। इस चुनवा को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने लातूर सीट से रमेश काशीराम कराड को मैदान में उतार दिया है।लातूर ग्रामीण लातूर में एक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट के बाद, लातूर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को 2008 में लातूर शहर और लातूर ग्रामीण में विभाजित किया गया था। वे लातूर (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) का हिस्सा हैं। लातूर भारतीय राज्य महाराष्ट्र का एक शहर है, और मराठवाड़ा क्षेत्र के सबसे बड़े शहरों में से एक है। यह लातूर जिले और लातूर तालुका का प्रशासनिक मुख्यालय है। यह शहर कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा एक पर्यटन केंद्र है, जिसमें उदगीर किला और खरोसा गुफाएँ शामिल हैं।यह महाराष्ट्र का एक विधानसभा क्षेत्र है। 2019 में, इस निर्वाचन क्षेत्र पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। 2019 में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के धीरज विलासराव देशमुख ने नोटा को 107506 मतों के अंतर से हराकर सीट जीती थी।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के विकास में बाधा उत्पन्न कर रहा है वन विभाग–गडकरी

एजेंसी।

नितिन गडकरी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब गढ़चिरौली महाराष्ट्र का सबसे समृद्ध क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने वन विभाग पर नक्सल प्रभावित जिले के विकास में बाधा उत्पन्न करने का आरोप भी लगाया। गडकरी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत प्रचार के दौरान कहा कि कई लौह अयस्क कंपनियां गढ़चिरौली में काम शुरू कर रही हैं।गढ़चिरौली । केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नितिन गडकरी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब गढ़चिरौली महाराष्ट्र का सबसे समृद्ध क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने वन विभाग पर नक्सल प्रभावित जिले के विकास में बाधा उत्पन्न करने का आरोप भी लगाया। गडकरी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत प्रचार के दौरान कहा कि कई लौह अयस्क कंपनियां गढ़चिरौली में काम शुरू कर रही हैं और उन्होंने इन उपक्रमों में नौकरियों में स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने गढ़चिरौली जिले के आष्टी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी बी आर आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं देगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने भाजपा उम्मीदवार मिलिंद नरोटे (आष्टी सीट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) उम्मीदवार बाबाराव आत्राम (अहेरी निर्वाचन क्षेत्र) के लिए प्रचार कर रहे थे। गडकरी ने महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री (1995 से 1999) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इस जिले में किए गए विकास कार्यों को याद किया। नागपुर से लोकसभा सदस्य ने कहा कि 2014 में उनके केंद्रीय मंत्री बनने से पहले गढ़चिरौली में केवल 57 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग था, लेकिन अब इसकी लंबाई लगभग 10 गुना बढ़कर 541 किलोमीटर हो गई है। गडकरी ने कहा कि उन्होंने जिले में चार हजार करोड़ रुपये की 35 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके अलावा, आष्टी और सिरोंचा के बीच 140 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए 1,000 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

झारखंड रैली में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया

, t lhA

झारखंड उन्होंने संविधान की एक प्रति दिखाते हुए कहा ष्संविधान देश की आत्मा है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि यह अंदर से खाली है। इसे देखिए, इसमें विषय–वस्तु है। वे कहते हैं कि राहुल लाल किताब दिखाते हैंय इसकी विषय–वस्तु महत्वपूर्ण है, रंग नहीं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संविधान को नष्ट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिसे उन्होंने ष्राष्ट्र की आत्माष बताया। झारखंड के बेरमो में एक रैली में बोलते हुए गांधी ने उन आरोपों का खंडन किया कि उन्होंने संविधान की ष्झूठीष प्रति पेश की थी, उन्होंने कहा कि इसकी विषय–वस्तु महत्वपूर्ण है।उन्होंने संविधान की एक प्रति दिखाते हुए कहा ष्संविधान देश की आत्मा है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि यह अंदर से खाली है। इसे देखिए, इसमें विषय–वस्तु है। वे कहते हैं कि राहुल लाल किताब दिखाते हैंय इसकी विषय–वस्तु महत्वपूर्ण है, रंग नहीं।गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपये के औद्योगिक ऋण माफ करके और बुनियादी ढांचे के निजीकरण की घोषणा करके गरीबों की तुलना में अरबपतियों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, ष्उन्होंने उद्योगपतियों के ऋण माफ कर दिए, लेकिन किसानों, दलितों और गरीबों की दुर्दशा को नजरअंदाज कर दिया।ष गांधी ने यह भी कहा कि जीएसटी और नोटबंदी जैसी नीतियां उच्च बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार हैं।कांग्रेस की नीति का खुलासा करते हुए, गांधी ने सत्ता में आने पर जाति जनगणना लागू करने और आरक्षण पर 50: की सीमा हटाने का वादा किया। उन्होंने झारखंड में अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए 26: से 28:, अनुसूचित जातियों

(एससी) के लिए 10: से 12: और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 14: से 27: आरक्षण का वादा किया।कांग्रेस की कल्याणकारी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, गांधी ने गरीबों, हाशिए पर पड़े समुदायों और युवाओं के उत्थान पर पार्टी के ध्यान पर जोर दिया। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा की नीतियों को खारिज करने और समानता और सामाजिक न्याय को प्राथमिकता देने वाली सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया।यह रैली ऐसे समय में हो रही है जब झारखंड आगामी चुनावों के लिए तैयार है, जिसमें कांग्रेस प्रमुख मतदाता समूहों में अपना समर्थन मजबूत करने का लक्ष्य बना रही है।मोदी जी कहते हैं कि यह "लाल किताब" खघली है। वह हमारे संविधान को खोखला बताते हैं। वह ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि उन्होंने जिंदगी में कभी इसे पढ़ा नहीं है।

20 नवंबर को कर्नाटक बंद का ऐलान, विरोध के बीच 10 000 से ज्यादा शराब की दुकानें भी नहीं खुलेंगी

कर्नाटक बंद का ताजा अपडेटरू कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स फेडरेशन ने आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच 20 नवंबर को एक दिन के कर्नाटक बंद का आह्वान किया है और राज्य में शराब बंद के कारण 10,800 से ज्यादा शराब लाइसेंस धारक 20 नवंबर को अपनी दुकानें बंद रखेंगे।कर्नाटक बंद का ताजा अपडेटरू कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स फेडरेशन ने आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच 20 नवंबर को एक दिन के कर्नाटक बंद का आह्वान किया है और राज्य में शराब बंद के कारण 10,800 से ज्यादा शराब लाइसेंस धारक 20 नवंबर को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानेंफेडरेशन के महासचिव

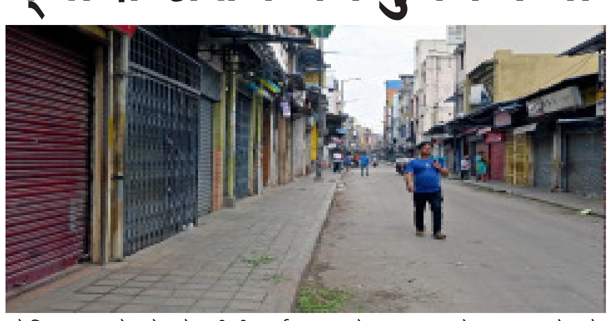

गोविंदराज हेगड़े ने पीटीआई को बताया, ष्हमें अपने बंद में 85–90 प्रतिशत लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।ष उल्लेखनीय है कि शराब की दुकान के मालिकों ने ष्कर्नाटक के आबकारी विभाग में भ्रष्टाचारष के विरोध में बंद का आह्वान किया है।ष्चीजें हाथ से निकल रही हैं, सरकार मौजूदा नियमों की परवाह किए बिना नए लाइसेंस देकर अनियंत्रित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रही है। हेगड़े ने कहा, ष्हम राज्य में सालाना 38,000 करोड़ रुपये का कारोबार करते हैं, लेकिन कई डीलर विभाग में भ्रष्टाचार के कारण अपने कारोबार को बनाए रखने में सक्षम नहीं होने की शिकायत कर रहे हैं।ष गोविंदराज हेगड़े ने आगे कहा कि शराब लाइसेंस धारकों के बीच भागीदारी 85 से 90 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पूरे उद्योग में एकता का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन है।उन्होंने कहा कि स्थिति असहनीय हो गई है, जिससे व्यापारी समुदाय के भीतर निराशा बढ़ रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार मौजूदा नियमों की अनदेखी करते हुए नए लाइसेंस जारी करना जारी रखती है और एक भयंकर प्रतिस्पर्धी माहौल बनाती है जिसे हम में से कई लोग बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं और उन्होंने बताया कि स्थापित दुकानें, जो सालाना लगभग 38,000 करोड़ रुपये लाती हैं, परिणामस्वरूप संघर्ष कर रही हैं।शराब व्यापारियों के अनुसार, लाइसेंस प्राप्त दुकानों के अनियंत्रित विस्तार ने उनकी चुनौतियों को और बढ़ा दिया है, कई छोटे से मध्यम लाइसेंस धारकों का कहना है कि वे प्रतिस्पर्धा करने या वित्तीय रूप से टिके रहने में असमर्थ हैं। फेडरेशन का दावा है कि कई व्यवसायों को अपनी दुकानें चलाने के लिए एक अस्थिर चक्र में मजबूर किया जा रहा है।

71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का आज द्वितीय दिवस

लखनऊ(आरएनएस)। 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक में ''सहकारी संगठनों में नवाचार, तकनीकी एवं कुशल प्रशासन'' विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता बी0एन0सिंह, आयुक्त एवं निबंधक, सहकारिता, उ0प्र0 द्वारा की गई। विचार गोष्ठी में बैंक की गत 05 वर्षों में की गई उपलब्धियों के बारे में बैंक के प्रबंध निदेशक शशि रंजन कुमार राव ने विस्तृत रूप से अवगत कराया कि बैंक की वित्तीय स्थिति में गत 05 वर्षों से निरंतर वृद्धि हो रही है। भारत सरकार द्वारा सूचना प्रोद्योगिकी के माध्यम से सहकारिता के सुदृढ़ीकरण एवं पारदर्शिता लाने के लिए कंप्यूटरीकरण एवं डिजीटीलाइजेशन का कार्य कराया जा रहा है जिसमें बैंक की 323 शाखाओं, 18 क्षेत्रीय कार्यालयों एवं मुख्यालय का कंप्यूटरीकरण का कार्य कराया जाना है। उन्होंने अवगत कराया कि प्रदेश के विशेषकर लघु एवं सीमान्त कृषकों को विभिन्न प्रकार की कृषि एवं गैर कृषि क्षेत्र की योजनाओं में ऋण वितरण कर लाभान्वित किया जा रहा है। साथ ही प्रदेश के पिछड़े वर्ग तथा अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्तियों के लिए अनेकों रोजगारपरक योजनाएं संचालित कर ऋण वितरण किया जा रहा है।विचार गोष्ठी में डॉ0 राम कोमल, प्रधानाचार्य, आईसी सी एम0आर0टी लखनऊ, ने विस्तृत रूप से गोष्ठी के विषय पर आधारित पीपीटी के माध्यम से प्रेजेन्टेशन दिया। सहकारिता के क्षेत्र में कृषकों एवं सदस्यों के साथ पारदर्शिता एवं विश्वास बनायें रखने के लिए ब्राण्डिंग की आवश्यकता पर अति महत्व दिया गया। मती अनीता मेयकर, नाबार्ड प्रतिनिधि ने सहकारिता के क्षेत्र में नाबार्ड द्वारा लागू की जा रही नई तकनीकी एवं भविष्य के लिए कार्यकुशलता, सहकारिता में डेटाबेस, कृषकों पर आसानी से पहुंच आदि पर तकनीकी रूप से किये जा रहे कार्यों के बारे मे भी अवगत कराया गया। अनिल कुमार सिंह, उपसचिव, सहकारिता, उ0प्र0शासन ने सहकारिता के क्षेत्र में कृषकों के हितों में किये जा रहे प्रयासों एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बार में अवगत कराया।

खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के बढ़ते कदम

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा कई प्रभावी व ठोस कदम उठाए गए हैं। खाद्य प्रसंस्कृत पदार्थो के उत्पादन व विपणन के लिए भी सकारात्मक कदम उठाए गए हैं इस क्षेत्र में उद्योग लगाने के लिए विभिन्न प्रकार की सुविधाएं व अनुदान आदि की व्यवस्था भी की गयी है।

आर फ्रैंक के निदेशक एस के चौहान ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इंटरनेशनल स्कूल ऑफ मिलिंग टेक्नोलॉजी के निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 5 एकड़ जमीन लखनऊ में रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को दी गई है। जिस पर सेंटर फॉर एक्सीलेंस के निर्माण के लिए बुधवार को एक त्रिपक्षीय एम ओ यू फूड प्रोसेसिंग डिपार्टमेंट, सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के मध्य साइन किया गया ।इस सेंटर फॉर एक्सीलेंस का निर्माण रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा किया जाएगा। इसके लिए एक सोसाइटी का गठन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सेंटर के निर्माण से रोजगार के अवसर प्रदेश में बढ़ेंगे एवं रोजगार के लिए प्रदेश के युवाओं को तकनीकी शिक्षा भी प्राप्त होगी ।

महाराष्ट्र विधानसभा सीट पर दिलचस्प हुई चुनावी लड़ाई, विधायक ठीपउतंव ज्ंचापत को भाजपा ने घोषित किया अपना उम्मीदवार

एजेंसी।

खडकसवासला विधानसभा सीट महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है, जहां 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की थी। इस बार खडकसवासला विधानसभा सीट के परिणाम किस पार्टी के पक्ष में होंगे, यह जनता को तय करना है। खडकसवासला विधानसभा सीट महाराष्ट्र के पुणे जिले में आती है। 2019 में खडकसवासला में कुल 48.14 प्रतिशत वोट पड़े।खडकसवासला विधानसभा सीट महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है, जहां 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की थी। इस बार खडकसवासला विधानसभा सीट के परिणाम किस पार्टी के पक्ष में होंगे, यह जनता को तय करना है। खडकसवासला विधानसभा सीट महाराष्ट्र के पुणे जिले में आती है। 2019 में खडकसवासला में कुल 48.14 प्रतिशत वोट पड़े। 2019 में भारतीय जनता पार्टी से भीमराव तपकिर ने राष्ट्रवादी कंग्रेस पार्टी के डोडके सचिन शिवाजी को 2595 वोटों के मार्जिन से हराया था। महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव केवल एक ही चरण में होंगे जिसमें 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को यहां वोटों की गिनती होगी। महाराष्ट्र में वर्ष 2009 के परिसीमन के बाद खड़कवासला सीट अस्तित्व में आई थी। इस सीट पर सबसे पहले एमएनएस पार्टी के विधायक चुने गए। इस सीट से वंजाले रमेश हीरामन विधायक रहे। इसके बाद वर्ष 2014 की मोदी लहर से यह सीट भी अछूती नहीं रही। यहां बीजेपी प्रत्याशी तपकिर भीमाराव धोंडीबा विधायक चुने गए। वर्ष 2019 में खड़कवासला सीट की जनता ने एक बार फिर भाजपा पर अपना भरोसा जताया और एक बार फिर तपकीर भीमाराव धोंडीबा विधायक चुने गए थे।इस विधानसभा सीट पर विकास कम और शहरीकरण ज्यादा हुआ है। यहां के मुख्य मुद्दों में यातायात की भीड़भाड़ और अनियमित बिजली और पानी की आपूर्ति शामिल है। निर्वाचन क्षेत्र के उच्च वर्ग, साथ ही कामकाजी और प्रवासी मध्यम वर्ग के नागरिक यातायात–मुक्त सड़कों जैसे बुनियादी सुधारों की अपेक्षा करते हैं। यहां के मतदाता किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे जो इन ज्वलंत समस्याओं का समाधान कर सके, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो।2019 के चुनाव में, निर्वाचन क्षेत्र में कुल 4,87,102 मतदाता थे। तपकीर ने 1,20,518 वोटों के साथ जीत हासिल की, उन्होंने एनसीपी के सचिन शिवाजी डोडके को 2,595 वोटों के अंतर से हराया, जिन्हें 1,17,923 वोट मिले थे।

टैक्स नहीं भरा तो खाते होंगे सीज, नगर निगम गोरखपुर ने लिया बड़ा फैसला

गोरखपुर संवाददाता। संपत्ति कर के बड़े बकाएदारों के खिलाफ नगर निगम ने अब सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। नगर आयुक्त के निर्देश पर शहर में 2516 बड़े बकाएदारों की सूची तैयार की गई है। इनको नोटिस दिया जाएगा। नोटिस के 15 दिनों के अंदर बकाया जमा नहीं किया गया तो संबंधित के बैंक खाते सीज करा दिए जाएंगे।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में सभी करदाताओं को संपत्ति कर के बिल भेजे जा चुके हैं। 30 सितंबर तक छूट भी उपलब्ध करा ई गई थी। लगातार संपर्क, बिल प्रेषण और शिविर आयोजन के बावजूद कई बकाएदारों ने भुगतान नहीं किया है। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जोन के बकाएदारों की सूची तैयार करें। पहली सूची में 2516 बकाएदारों को चिह्नित किया गया है, जिनमें राजकीय संपत्तियां भी शामिल हैं। निर्देश दिए कि सूची का परीक्षण कर लें और यदि किसी ने पहले ही कर का भुगतान कर दिया हो और किसी कारणवश सूची में नाम आ गया, तो उसके अनुसार अपडेट करें। नगर आयुक्त ने बचे बकाएदारों को एक हफ्ते के अंदर नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। राजकीय संपत्तियों के लिए अलग पत्रावली तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपर नगर आयुक्त और मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिदिन कार्यवाही की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

16 हजार डिग्रियों पर लगा बारकोड, नहीं होगी डुप्लीकेसी

वाराणसी संवाददाता।

बीएचयू में 14 दिसंबर को होने वाले 103वें दीक्षांत समारोह में छात्र–छात्राओं को मिलने वाली 16000 डिग्रियां कई मायने में खास होंगी। स्नातक, स्नातकोत्तर सहित अन्य पाठ्यक्रमों की डिग्रियों पर बारकोड लगाए जा रहे हैं। कई तरह के सिक्योरिटी फीचर को इसमें जोड़ा जा रहा है। इस प्रयोग के बाद डिग्रियों की डुप्लीकेसी नहीं हो सकेगी।

दीक्षांत समारोह में इस बार 450 पदक दिए जाएंगे जबकि 16 हजार उपाधियां भी बांटी जाएंगी। गठित समितियों ने भी काम शुरू कर दिया है। मुख्य आयोजन 14 दिसंबर को स्वतंत्रता भवन में होगा। हालांकि, 16 दिसंबर तक दीक्षांत का उत्सव देखने को मिलेगा। अलग–अलग संकायों में मेधावियों को पदक, उपाधियां दी जाएंगी। संबद्ध कॉलेजों के दीक्षांत भी परिसर में ही होंगे। परीक्षा विभाग की ओर से पदक के साथ ही उपाधियां भी तैयार करवाई जा रही हैं। इनकी सूची माह के अंत तक फाइनल होने के आसार हैं। बारकोड में होगा शैक्षणिक विवरणरू बीएचयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एनके मिश्रा का कहना है कि इस बार की डिग्री में छात्रों के नाम,अनुक्रमांक सहित अन्य शैक्षणिक जानकारी होगी। इसमें बारकोड के साथ ही कई तरह के सिक्योरिटी फीचर भी जोड़े जा रहे हैं। कोई जालसाजी कर उपाधियों की डुप्लीकेट कॉपी बनवाने का प्रयास करेगा तो पकड़ा पाएगा।

बीएचयू कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने महिला महाविद्यालय में छात्राओं से संवाद किया। छात्राओं से आह्वान किया कि किसी तरह की गलतियों से घबराएं नहीं बल्कि आत्मविश्वास के साथ फैसले लेना सीखें। प्राचार्या प्रो. रीता सिंह ने कुलपति का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्रा द्वारा लिखित पुस्तक कुलपति को भेंट की गई। प्लेसमेंट सेल की ओर से प्रो. नीलम श्रीवास्तव, प्रो. ललिता वत्ता, डॉ. रुक्मिणी जायसवाल, डॉ. भानु प्रताप मौजूद रहे।

दीक्षांत समारोह में जो भी पदक, उपाधियां दी जाएंगी, उसकी सूची पर एकेडमिक काउंसिल की मुहर जरूरी है। इसे देख विश्वविद्यालय की ओर से सात दिसंबर को काउंसिल की बैठक भी होगी। इसमें मुहर लगने के बाद सूची के वेबसाइट पर अपलोड करने की संभावना है।

काशी में स्वर्ग का नजारा देखने पहुंचे पर्यटक, 50 हजार गाड़ियां बुक

वाराणसी संवाददाता। देवताओं के धरा पर उतरने का पर्व देव दीपावली का साक्षी बनने के लिए देश के कोने–कोने से पर्यटकों का समूह काशी में पहुंच चुका है। पिछली बार की तुलना में इस साल 25 फीसदी अधिक सैलानियों की भीड़ उमड़ रही है। शहर के लगभग चार हजार होटल, गेस्ट हाउस, लॉज और होम स्टे तक फुल हैं।

200 टूर ऑपरेटरों ने लगभग 50 हजार छोटी और बड़ी गाड़ियों की बुकिंग कराई है। विदेशी सैलानियों के लिए 1500 से अधिक टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट की गाड़ियां भी बुक हो चुकी हैं। नमो घाट से लेकर सामनेघाट तक 3000 नाव, मोटरबोट, बजड़ा और क्रूज तक में जगह नहीं है।

टूर ऑपरेटर सुधांशु सक्सेना ने बताया कि 200 टूर ऑपरेटरों ने लगभग 50000 गाड़ियों की बुकिंग कराई है। शहर के साथ ही चंदौली, जौनपुर, मिर्जापुर, भदोही और प्रयागराज तक से गाड़ियां मंगाई गईं हैं।

बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि विदेशी सैलानियों के लिए अधिकतर गाड़ियों की बुकिंग है। टूर ऑपरेटर अभिषेक सिंह ने बताया कि सिर्फ हमारे यहां 50 गाड़ी, 3 बजड़ा, 8 मोटरबोट, 18 गाइड, 250 कमरे की बुकिंग है। टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मेहता ने बताया कि दो दिन की छुट्टी होने के कारण रविवार तक पर्यटकों की आवाजाही रहेगी।

देवदीपावली की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने देर रात गंगा घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान मेयर ने घाटों पर साफ सफाई, सिल्ट, स्ट्रीट लाइट, बैरिकेडिंग आदि की व्यवस्थाओं की तैयारियों को परखा। घाट की ओर आने वाली गलियों और रास्तों की लाइटों को चेक कराया। इसके अलावा यहां पर सफाई कर्मचारियों को तैनात करने को कहा।

घर से कुछ दूरी पर फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

आजमगढ़ संवाददाता। आजमगढ़ के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के धरनीपुर विषया गांव में शुक्रवार

की सुबह गांव से लगभग 200 मीटर दूरी पर एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला। शव देखते ही भीड़ एकत्र हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से मृतक के घर मातम छाया हुआ है।

दिनेश यादव (32) पुत्र स्व. किरत बीती रात घर से लगभग 200 मीटर दूर अपने खेत में पानी चलाने गया था। रात में लाइट कट जाने की वजह से पुनः घर आ गया और अपने परिजनों से बोला कि जब लाइट आएगी तब पानी चलाने जाएंगे। घर के पीछे जाकर सो गया। सुबह जब परिजन सो कर उठे तो इधर–उधर खोजबीन करने लगे। उसके बाद घर से लगभग 200 मीटर दूरी पर परिजनों को पेड़ पर लटकता हुआ शव मिलने की जानकारी हुई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। मौके पर गंभीरपुर थाने की पुलिस ने पहुंच कर पेड़ से शव को उतरवा। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था और घर पर ही रहकर खेती का काम करता था। मृतक एक पुत्र का पिता था। थानाध्यक्ष गम्भीरपुर बसंत लाल ने बताया कि पेड़ से लटकता हुआ शव मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा की तालाब में डूबने से हुई मौत

सोनभद्र संवाददाता। कार्तिक पूर्णिमा पर सहेलियों के साथ नहाने गई नौंवी की छात्रा की तालाब में डूबने से मौत हो गई। काफी देर बाद कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला गया। बेटी का शव देख परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

कस्बे के राजपुर रोड निवासी ओमप्रकाश लाल की पुत्री दीपा (14) राजकीय कन्या हाईस्कूल दोहरी में कक्षा नौ की छात्रा थी। शुक्रवार की सुबह वह गांव की सहेलियों के साथ कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने पुलिस चौकी के समीप स्थित तालाब पर गई थी। नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से वह डूब गई। जब सहेलियां नहा कर बाहर आ गईं तो दीपा के न दिखने पर उन्होंने उसकी तलाश शुरू की।

शोर मचाते हुए घटना की सूचना परिवार वालों को दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीण व परिजनों ने तालाब में उतरकर छात्रा की तलाश की। करीब एक घंटे बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। दीपा चार भाई–बहनों में सबसे बड़ी थी। उसके पिता बंगलुरू में रहकर काम करते हैं। घटना के बाद पुलिस मौके पर मौजूद रही।

बोटी की जगह तरी मिलने पर हुआ बवाल

मिर्जापुर संवाददाता। भदोही सांसद विनोद बिंद के मझवां विधानसभा क्षेत्र के करसड़ा ग्राम सभा स्थित कार्यालय पर हुए भोज में बवाल हो गया। बताया जा रहा है कि दावत में एक युवक को बोटी की जगह तरी (ग्रेवी) दे दिया गया, जिससे उसने परोसने वाले को थप्पड़ मार दिया और उसके बाद वहां बवाल हो गया।

सांसद के करसड़ा स्थित कार्यालय पर करीब एक हजार लोग न्योता में शामिल हुए थे। मामला उस वक्त बिगड़ गया जब मीट की बाल्टी से सांसद के वाहन चालक का भाई बताए जा रहे युवक ने बुलावे पर पहुंचे युवक को बकरे की बोटी की जगह तरी परोस दिया। जिस पर युवक ने बोटी देने की बात करते हुए अपशब्द बोल दिया।

इस पर बाल्टी से बोटी बांट रहे युवक ने तमीज से बात करने की नसीहत दी। जो युवक को तरी देखकर इस कदर नागवार लगा कि उसने बोटी बांट रहे युवक को थप्पड़ जड़ दिया। सांसद के वाहन चालक को थप्पड़ मारे जाने पर हंगामा मच गया।

दोनों पक्ष आपस में ही मारपीट करने लगे, जिसमें बाल्टी और अन्य बर्तन के साथ हमला कर दिया गया। भोजन के बैठे लोगों में भगदड़ मच गई। लोग अपना पत्तल लेकर तितर–बितर हो गए। किसी प्रकार मामले को शांत कराया गया।

सांसद के दावत में बकरे की बोटी के लिए मारपीट के दौरान घायल हुए लोग भी मामला बढ़ने की आशंका के चलते वहां से निकल लिए। हंगामा करने वाले लोगों के जाने के बाद दावत में पहुंचे लोगों को भोजन कराने का सिलसिला फिर शुरू हो गया। जबकि कुछ लोग परिवार के साथ दावत करने की बात कर रोटी और बोटी बांधकर ले जाते हुए कैमरे में कैद हुए।

मारपीट के दौरान घायल हुए युवक ने बताया कि किस प्रकार बोटी की जगह तरी मिलने पर भड़के युवक के थप्पड़ मारने से मामला मारपीट तक पहुंच गया। उसने फटे सिर और कपड़े पर पड़े खून के छींटों को दिखाया। मौके से वह भी अपनी बाइक स्टार्ट कर इलाज कराने निकल गया। सांसद के दावत में बोटी के लिए मारपीट चर्चा का विषय बना हैं। बताया गया कि दावत में करीब 40 गांव से पहुंचे लोगों ने दावत उड़ाई। मारपीट होते ही तमाम लोग खिसक गए।

महिला की फावड़े से काटकर हत्या

गोरखपुर संवाददाता। गोरखपुर के हरपुर बुदहट में एक महिला की फावड़े से काटकर हत्या कर दी गई। खून से लथपथ उसका लाश गांव के ही एक खेत में मिला। परिवार के लोग महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना थाना हरपुरबुदहट इलाके के चरनाद छपिया गांव की है।

सूचना पाते ही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और घटना स्थल का जायजा लेने के साथ ही परिवार के लोगों से बातचीत भी की। पुलिस ने महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की छानबीन में जुट गई। परिवार के लोगों ने उसी गांव के रहने वाले अजीत यादव पर हत्या का आरोप लगाया है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर में बताया परिवार के लोगों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया, हरपुरबुदहट इलाके के चरनाद छपिया गांव के रहने वाले रविंद्र यादव की पत्नी संगीता यादव (40) गुरुवार की सुबह घर से शौच के लिए खेत की तरफ गई थी। लेकिन, काफी देर बीत जाने के बाद भी वे घर नहीं लौटी। परिवार के लोगों ने जब उन्हें गांव में ढूंढना शुरू किया तो गांव के सिवान के पास वे खून से लथपथ हालत में पड़ी मिलीं।

विवि गार्ड से छात्रों नें की हाथापाई

झांसी संवाददाता। झांसी। बीयू के मुख्य गेट पर बृहस्पतिवार दोपहर करीब डेढ़ घंटे तक छात्रों और सुरक्षाकर्मियों के बीच गालीगलौज, धक्कामुक्की और हाथापाई हुई। इस दौरान दो कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना पर एकजुट होकर पहुंचे छात्रों ने मुख्य गेट बंद करके नारेबाजी की और धरना दिया। मुख्य गेट पर हुए हंगामे की भनक करीब 300 मीटर दूर बने प्रशासनिक ब्लॉक में बैठे अफसरों को नहीं हो सकी। पुलिस के पहुंचने के बाद चीफ प्रॉक्टर पहुंचे और हंगामा शांत कराया। दोपहर करीब सवा बजे एक छात्र अपने साथियों के साथ कार से मुख्य द्वार पर पहुंचा। जब वह प्रवेश करने लगा तो सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया। कार से उतरे छात्र ने सुरक्षाकर्मियों से गालीगलौज कर दी। जब एक सुरक्षाकर्मी वीडियोग्राफी करने लगा तो छात्र हाथापाई करने लगा। इस बीच पहुंचे छात्र के साथियों ने भी जमकर हंगामा करते हुए गालीगलौज और धक्कामुक्की शुरू कर दी। सुरक्षा सुपरवाइजर ने मौके पर पहुंचकर छात्रों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन छात्रों ने धमकी देते हुए फिर से गालियां बकना शुरू कर दिया। जब धमकी देते हुए छात्र कार ले जाने लगा तो अन्य सुरक्षाकर्मी उसे पकड़ने दौड़ पड़े। जिस पर छात्र की कार नजदीक खड़ी कार से टकरा गई। इसकी सूचना मिलते ही अन्य छात्र भी मौके पर पहुंच गए और गेट बंद कर नारेबाजी व हंगामा करने लगे। करीब सवा घंटा बाद पुलिस मौके पहुंची और मामला शांत कराया। इसके बाद चीफ प्रॉक्टर प्रो. आरके सैनी मौके पर पहुंचे। चीफ प्रॉक्टर प्रो. आरके सैनी ने बताया दोनों पक्षों में सुलह हो गई है। छात्र को कार की क्षतिपूर्ति का भरोसा दिया है। छात्र ने बताया सुलह हो गई है और चीफ प्रॉक्टर ने कार सही कराने का खर्चा देने का भरोसा दिया है।

स्कूल परिसर में खेल रहे थे बच्चे कार की चपेट में आए

झांसी संवाददाता। मऊरानीपुर के बड़ागांव स्थित प्राथमिक विद्यालय जगनपुर में प्रधानाध्यापक की लापरवाही से घायल हुए पांचों बच्चों की हालत में सुधार है। चार बच्चों का झांसी शहर के निजी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

बताते चलें कि बृहस्पतिवार को प्राथमिक विद्यालय जगनपुरा में बाल दिवस का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान प्रधानाध्यापक अपनी कार से आए और निर्धारित स्थान पर खड़ी करने लगे। चूँकि आसपास स्कूल और आसपास के बच्चे खेल रहे थे।

इसलिए कार को बैक करने लगे। बैक करते समय कार अचानक आगे की ओर बढ़ गई। जिससे स्कूल की दो छात्राओं समेत गांव के पांच बच्चे घायल हो गए। हादसा होते ही पांच बच्चों को उपचार के लिए सीएचसी पर पहुचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उच्च चिकित्सा के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक घायल बच्चों को मेडिकल कॉलेज के बजाय निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चार बच्चों का उपचार किया जा रहा है।

एक को मामूली चोट की वजह से भर्ती नहीं किया गया। निजी अस्पताल में अभिलाषा 8 वर्ष, मानसी 9 वर्ष, डुग्गू तीन वर्ष, सुहाना उम्र 14 वर्ष का उपचार किया जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चों का बेहतर उपचार हो रहा है। इसलिए उनको रिपोर्ट दर्ज नहीं करनी है।

सरकारी सुविधा पर जिंदा रहना तू - बरेली में आयुष्मान कार्डधारक पर भड़के डॉक्टर

बरेली संवाददाता। बरेली के एक निजी अस्पताल में तीमारदार से अभद्रता का मामला सामने आया है, जिसका वीडियो वायरल हुआ है। इसमें डॉक्टर मरीज के तीमारदार से अभद्रता से बात करते सुने जा रहे हैं। आरोप है कि आयुष्मान कार्ड पर

निशुल्क उपचार की सुविधा होने की बात पर डॉक्टर इतना आग बबूला हो गए कि उन्होंने तीमारदार को आईसीयू से धक्के देकर बाहर निकाल दिया। सरकार के लिए भी बुरा भला कहा।

मामला शहर के दीपमाला अस्पताल का है। वायरल वीडियो में डॉक्टर तीमारदार से यह कहते सुने जा रहे हैं कि फ्री में तुम्हें इलाज नहीं, धोखा मिलेगा। नाटक करेंगे.. हम इलाज कर रहे हैं। जो हाथ चलने लगा है, वो भी जिंदगी में नहीं चलेगा। तुम्हारा इंसान फ्री में सही हो जाए। फ्री वाले इलाज में तो कभी सही नहीं होगा। जिस अस्पताल को 22 सौ रुपये मिल रहे हैं, वो छह हजार का इंजेक्शन क्यों लगाएगा। 22 सौ रुपये में वह इलाज होता है, जो जिला अस्पताल में होता है। चूरन चटनी की गोली खिला दो बस।

डॉक्टर ने कहा कि सरकार अगर निशुल्क सुविधा देती है तो सरकारी अस्पताल में उपचार क्यों नहीं करा रही। जिला अस्पताल का बजट यहां से 10 गुना ज्यादा होता है। नेता और अफसर मिलकर सब खा जाते हैं। निजी अस्पताल में क्यों आना पड़ रहा है। डॉक्टर तीमारदार से कहते हैं कि तुम मेरे अस्पताल में मत आना। सामने भी मत पड़ना। सरकारी की सुविधा लेकर जिंदा रहना तू...। इसके बाद उसे धक्के मारकर आईसीयू से बाहर निकाल देते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद डॉक्टर ने सफाई दी है।

दीपमाला अस्पताल के डॉक्टर सोमेश मेहरोत्रा का कहना है कि आयुष्मान योजना सरकार की जन कल्याणकारी योजना है, लेकिन इसमें सभी इलाज की दरें तय हैं। ऐसा नहीं है कि एक बीमारी पर पूरे पांच लाख रुपये लगा दिए जाएं। मरीज पहुंचने के बाद आयुष्मान कार्ड लगाकर अनुमति ली जाती है, फिर इलाज शुरू होता है। अगर अचानक कोई मरीज आ जाए और कार्ड का अप्रूवल न मिले तो दिक्कत होती है। जिस इंजेक्शन को लगाने की बात कह रहा हूं, वह अप्रूवल से पहले का मामला है लेकिन लड़का समझने को तैयार नहीं था।

डॉक्टर ने कहा कि मैंने जो बोला वह फ्रस्ट्रेशन में बोला है। सरकार या जनप्रतिनिधियों से मेरी कोई शिकायत नहीं है। बीते चार माह में आयुष्मान कार्ड से इलाज के बाद बिल का अब तक भुगतान नहीं हुआ है। मेरी परेशानी को भी मानवीय पक्ष से देखा जाना चाहिए। सरकारी अस्पताल की व्यवस्थाएं भी उपलब्ध मानव संसाधन के लिहाज से बेहतर हैं।

मथुरा रिफाइनरी हादसा - धमाके से दहल गया पूरा क्षेत्र

मथुरा संवाददाता। मथुरा रिफाइनरी में हुई आग की घटना का स्पष्ट कारण का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति बुधवार को यहां पहुंची। अहम बिंदु यह रहा कि चालीस दिन तक यूनिट बंद कर मरम्मत का कार्य किया गया, फिर भी एवीयू में ठीक से काम नहीं किया गया। यही कारण रहा कि वह ट्रायल शुरू होते ही लीक हो गई। ओआईएसडी, पेसो और आईओसीएच की सात सदस्यीय यह टीम तीन दिन तक यहां पर जांच करेगी। उधर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के चेयरमैन एएस साहनी भी रिफाइनरी पहुंचे और सारी जानकारी जुटाई।

मंगलवार को रिफाइनरी की मदर यूनिट एड्रिफेरिक वैक्यूम यूनिट (एवीयू) में मरम्मत का कार्य पूर्ण होने के बाद इसकी टेस्टिंग चल रही थी। इसी दौरान करीब शाम 7 बजे नैफ्था (शोधित होने के बाद का तेल) की लाइन में लीकेज होने से तेज धमाके के बाद आग भड़क गई। यूनिट में मौजूद कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए। प्राथमिक जांच में नैफ्था की लाइन पर अत्यधिक दबाव हादसे का कारण माना जा रहा है।

अब सवाल यह है कि 40 दिन के मरम्मत कार्य के बाद भी नैफ्था की लाइन लीकेज कैसे हुई। मरम्मत कार्य ठीक ढंग से हुआ या नहीं। इन्हीं तमाम सवालों की जवाब तलाशने के लिए टीम यहां पहुंच गई है और जांच शुरू की। रिफाइनरी सूत्रों के अनुसार, पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देशन में तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) के दो सदस्य, पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) का एक सदस्य और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन हेडक्वार्टर के चार सदस्य जांच टीम में शामिल हैं।

जांच टीम ने पहले दिन करीब छह घंटे तक घटना की जांच पड़ताल की। प्रथमदृष्टया सामने आ रहा है कि एवीयू में गंभीरता से काम नहीं किया गया। शनिवार को टीम यहां से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएगी और करीब 20 दिन के अंदर पेट्रोलियम मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेंगे।

नैफ्था अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ होता है। आम तौर पर यह कच्चे तेल का एक अंश कहा जाता है। इसी को शोधित करने के बाद पेट्रोल, डीजल और सीएनजी समेत अन्य पदार्थ तैयार किए जाते हैं। हादसे से पहले नैफ्था को फिल्टर करने के लिए छोड़ा गया था। तभी अचानक पाइप लाइन लीकेज हो गई।

विद्यार्थियों नें उत्तराखंड का शैक्षणिक भ्रमण संपन्न किया

सुल्तानपुर(आरएनएस)। भूगोल व इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों नें उत्तराखंड हिमालयीय परिवेश का भौगोलिक व ऐतिहासिक भ्रमण सकुशल सम्पन्न किया। भूगोल विभागाध्यक्ष सुधांशु प्रताप सिंह नें बताया कि संस्थान प्राचार्य की अनुमति से बी ए पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों नें उत्तराखंड हिमालयीय परिक्षेत्र के भौगोलिक पर्यावरण व ऐतिहासिक साक्ष्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन व सर्वेक्षण किया । यह शैक्षणिक भ्रमण दल 7 नवम्बर को उत्तराखंड हेतु रवाना हुआ एवं क्षेत्रीय अध्ययन सम्पन्न होने के उपरांत 14 नवम्बर देर शाम तक वापस सुल्तानपुर पहुंच गया। भ्रमण के दौरान कमला नेहरु संस्थान के विद्यार्थी हरिद्वार, ऋषिकेश, टिहरी डैम व झील, हर्षिल की वादियाँ, उत्तरकाशी व गंगोत्री आदि के प्राकृतिक एवं मानवीय परिवेश का गहन अवलोकन पर्यवेक्षण व सर्वेक्षण किया। इस भ्रमणीय अध्ययन के दौरान भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष सहित डॉ नम्रता वर्मा, मि अतुल वर्मा , मि अमित सिंह के साथ साथ इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व व मि रामशबद के सहयोग से सैकड़ो विद्यार्थियों नें विभिन्न भ्रमण स्थलों का भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक अध्ययन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों नें भगीरथी गार्ज, यू आकार की घाटी, पर्वतपदीय झील, जलप्रपात, गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान, पर्वतीय आवास, वानस्पतिक परिवेश एवं जलवायविक दशाओं के साथ मानव निवास स्थलों व धरोहरों के एतिहासिक पहलूओं का गहन अध्ययन किया। साथ ही साथ शैक्षणिक भ्रमण पर्यवेक्षकों के नेतृत्व में कमला नेहरू संस्थान के विद्यार्थियों ने टिहरी झील के बाजारी बस्ती तथा गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार की साफ–सफाई की एवं पर्यावरण संरक्षण की जनजागरूता हेतु पर्यावरण संरक्षण रैली का आयोजन भी किया। संस्थान के मीडिया प्रभारी एवं भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ आर पी मिश्र नें बताया कि भूगोल विषय के यथार्थ अध्ययन में प्रत्यक्ष क्षेत्रीय अवलोकन व स्थलीय सर्वेक्षण एक महत्वपूर्ण प्राविधि है। इसी के निमित्त भूगोल विषय में अध्ययनरत विद्यार्थी निर्धारित पाठ्यक्रम की सम्पूर्णता हेतु प्रतिवर्ष शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हैं। विद्यार्थी भ्रमण के दौरान संकलित भौगोलिक तथ्यों के आधार पर भौगोलिक भ्रमण प्रतिवेदन तैयार करते हैं । भौगोलिक भ्रमण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए भूगोल विभागाध्यक्ष व असिस्टेंट प्रोफेसर सुधांशु प्रताप सिंह नें बताया कि इस प्रकार के अध्ययन प्राविधि से विद्यार्थियों मे एक तरफ विषय की गुढता का बोध होता है तो दूसरी तरफ विद्यार्थी शोध प्रक्रिया की क्रमबद्धता से भी रूबरू होते हैं।

डीएपी के लिए क्षेत्र में मचा हाहाकार,अधिकारी मौन

बल्दीराय सुलतानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र में डीएपी के लिए हाहाकार मचा हुआ है, अधिकारी मौन साधे मस्त है। स्थानीय समित नेवादा व बघौना में कुछ मात्रा में डीएपी बंटी वो भी जरूरत के हिसाब से नही उपलब्ध हो सकी।किसानों ने बताया कि जब खाद की जरूरत पड़ती है तो समय से उपलब्ध ही नही हो पाती है, इस समय गेहूं, सरसों, आलू, मटर की बुआई का समय चल रहा है लेकिन डीएपी कहीं उपलब्ध नही है। जिस समित पर सौ दो सौ बोरी खाद उपलब्ध भी हो जाती है तो वहां किसानों को सुबह 5 बजे से लाइन लगानी पड़ती है, आपूर्ति कम होने की वजह से बहुतेरे किसानों को बैरंग लौटना पड़ता है।

लाइसेंस प्राप्त खाद दुकानों का अजब हाल

– तहसील क्षेत्र में जो खाद दुकाने लाइसेंस प्राप्त है वो भी अपनी मनमानी पर उतारू है किसानों का कहना है कि कुछ दुकानदार बड़े दाम पर 10 से 20 किलो डीएपी देने को राजी होते हैं।

भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बल्दीराय सतेंद्र तिवारी का कहना है कि क्षेत्र में खाद की समस्या को लेकर मंडल स्तर पर कोई बैठक या चर्चा नही हुई है।क्षेत्र में खाद की समस्या को लेकर जब बल्दीराय उपजिलाधिकारी से वार्ता करने की कोशिश की गई तो फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बता रहा है।जिला कृषि अधिकारी सदानंद चौधरी ने बताया कि डीएपी 4,6 दिन में रैक लगते ही डीएपी जिले में उपलब्ध हो जाएगी

महिला श्रद्धालु की शिकायत मामले में कार्रवाई शुरू

अयोध्या (आरएनएस)।रामनगरी में परिक्रमा करने आई एक महिला श्रद्धालु से धन की मांग के साथ अभद्रता व छेड़छाड़ मामले को लेकर अखिल भारत जय गुरु संप्रदाय ट्रस्ट ने बड़ा एक्शन लिया है। ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र भेज कर आरोपी भोला जायसवाल, आकाश जायसवाल और महेश जायसवाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का अनुरोध किया गया है।इसकी पुष्टि सुरसुर मंदिर की प्रबंधिका गोपा विश्वास ने भी की है हालांकि उन्होंने इस मामले में कुछ भी बोलने से इन्कार कर दिया।इधर पीड़ित महिला श्रद्धालु द्वारा घटना की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर किए जाने तथा चार दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक कोतवाली अयोध्या पुलिस की ओर से कोई जांच शुरू नहीं की गई है जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू किए गए मिशन शक्ति अभियान की रामनगरी में सार्थकता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।मालूम हो की यह घटना रामनगरी में नयाघाट स्थित अति प्राचीन सुरसर मंदिर की जहां बीते शनिवार को सिद्धार्थनगर जिले से परिक्रमा करने आई एक महिला श्रद्धालु ने मंदिर के एक कथित कर्मचारी पर अवैध रूप से धन की मांग किए जाने के साथ छेड़छाड़ व अभद्रता का आरोप लगाया था।पीड़ित महिला के मुताबिक शनिवार को वह अपने साथ आए लोगों के साथ अपने गुरु स्थान सुरसर मंदिर में आकर रात रुकी थी।परिक्रमा करके वापस लौटने पर शाम करीब साढ़े आठ बजे खुद को मंदिर का कर्मचारी बताने वाला भोला जायसवाल मंदिर की यज्ञशाला में उसके पास आकर मंदिर में रुकने के एवज पांच हजार रुपए की मांगने लगा।जब उसने बताया कि वो और उसके साथ आए लोग मंदिर के पुराने भक्त हैं तथा प्रतिवर्ष चौदह कोसीध्पंचकोसी परिक्रमा में आकर यहां रूकते है और अपनी क्षमता के अनुरूप दान स्वरूप आर्थिक सहयोग देकर वापस चले जाते है तो इस पर वह भड़क गया और उसे अश्लील गालियां देते हुए अभद्रता व छेड़छाड़ करने लगा।स्वयं को अकेला पाकर जब उसने अपने सहयोगियों को आवाज दी तो मौके पर पहुंचे उसके साथियों ने इस घटना को देखा और पुलिस में शिकायत करने की बात कहने लगे।इस पर उस आरोपी व्यक्ति ने महिला श्रद्धालु को पुलिस में शिकायत करने पर फर्जी मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला।उन्होंने बताया कि परिक्रमा में पुलिस के व्यस्त होने की वजह से उन्होंने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करा दी तथा प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली अयोध्या को भी शिकायती पत्र भेज दिया है।इधर इस मामले के मीडिया में आते ही कोलकाता स्थित सुरसर मंदिर के मुख्यालय महा मिलन मठ से जुड़ा अखिल भारत जय गुरु संप्रदाय ट्रस्ट भी हरकत में आ गया।इस मामले में ट्रस्ट की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर आरोपी भोला जायसवाल, आकाश जायसवाल और महेश जायसवाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का अनुरोध किया गया है।हालांकि घटना के चार दिन बाद भी पीड़ित महिला श्रद्धालु की ओर से मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत की छानबीन तक नहीं शुरू की गई है जिसके बाद अब रामनगरी में महिला उत्पीड़न, महिला सुरक्षा और मिशन शक्ति अभियान के प्रति जागरूकता और सतर्कता को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

कांग्रेस नेता ने जवाबी कीर्तन का किया उदघाटन

रूदौली–अयोध्या(आरएनएस)। मवई विकास खंड मवई के ग्राम अमौनी में गुरुवार की रात को जवाबी कीर्तन का आयोजन किया गया।जवाबी कीर्तन सुनने के लिए आस पास के गांवों बड़ी संख्या में लोग कीर्तन सुनने पहुंचे।जवाबी कीर्तन का उदघाटन कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से आपस में प्रेम और सौहार्द का वातावरण पैदा होता है। दयानंद शुक्ला ने अमौनी मठ के महन्त सत्यभारती महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि महाराज जी के कुशल दिशा निर्देश में आज अमौनी धाम पूरे देश में चर्चित है। महाराज जी के नेतृत्व में आए दिन अमौनी मठ में धार्मिक कार्यक्रम होते रहते हैं।श्री शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से सर्व समाज में सदभाव और भाईचारे का माहौल बनता है।उन्होंने कहा कि आज अमौनी मठ के आस पास जो विकास कार्य हुए हैं वह सत्य भारती महाराज के प्रयास का ही प्रतिफल है।जवाबी कीर्तन कानपुर के लालमन चंचल तथा मध्यप्रदेश के भिण्ड की कल्पना दूबे के बीच हुआ।जवाबी कीर्तन में कल्पना दुबे का पलड़ा भारी दिखा।

कीर्तन गुरुवार रात साढ़े नौ बजे शुरू हुआ और शुक्रवार की भोर पौने पांच बजे तक चला।इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक जन्नू मिश्रा,प्रधान प्रतिनिधि परमानंद भाजपा नेता महेंद्र पांडेय पप्पू,शुक्ला,रामपुर जनक के प्रधान राजेश यादव, रज्जन लाल मिश्रा,अनूप शुक्ला,गुड्डू मिश्रा,राजेश सिंह,लालू कनपुरिया आदि लोग उपस्थित थे।

मरणोपरांत युग पुरुष उपाधि से नवाजे गए श्रीराम आर्य

सुलतानपुर(आरएनएस)। मोदनवाल महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय बाबू श्रीराम आर्य की चतुर्थ पुण्य तिथि पर नमो इंडिया द्वारा एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। मोदनवाल वैश्य समाज की आपसी एकता और भाईचारे में बढ़ोत्तरी विषयक विचार गोष्ठी की अध्यक्षता नेशनल मोदकवाल आर्गनाइजेशन नमो इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष पत्रकार डी पी गुप्ता एडवोकेट ने किया। इस विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि मोदनवाल महासभा के राष्ट्रीय मंत्री राजेंद्र प्रसाद मोदनवाल रहे। विचार गोष्ठी की शुरुआत में श्रीमद् भगवत गीता के बारहवें अध्याय के पाठ का सामूहिक श्रवण किया गया इसके उपरांत स्वर्गीय श्रीराम आर्य को भावपूर्ण श्रद्धांजलि प्रस्तुत की गई। नमो इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी पी गुप्ता एडवोकेट ने गोष्ठी में पधारे मुख्य अतिथि राजेन्द्र प्रसाद मोदनवाल राष्ट्रीय मंत्री मोदनवाल महासभा सहित सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान नमो इंडिया संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी पी गुप्ता एडवोकेट ने राष्ट्रीय सचिव आशीष गुप्ता मुम्बई व वहां उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों की आम सहमति से स्वर्गीय श्रीराम आर्य बाबू को मरणोपरांत युग पुरुष की उपाधि देते हुए एक सम्मान पत्र जारी किया। विचार गोष्ठी में उपस्थित मुख्य अतिथि राजेन्द्र प्रसाद मोदनवाल राष्ट्रीय मंत्री मोदनवाल महासभा, गजानंद मोदनवाल जिला अध्यक्ष हलवाई महासभा, राममिलन मोदनवाल जिला महासचिव मोदनवाल महासभा, समाजसेवी ओमप्रकाश मोदनवाल, श्याम बाबू मोदनवाल, संगमलाल मोदनवाल, सुनील मोदनवाल, राजन गुप्ता आदि सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्वर्गीय श्रीराम आर्य बाबू के जीवन प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों का स्मरण किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चले साथी– छांगुर राम गौड़

सुल्तानपुर।(आरएनएस) अखिल भारतवर्षीय गोंड महासभा के बैनर तले शुक्रवार को शहर के राजीव गांधी पार्क में समाज सुधारक बिरसा मुंडा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। यहां राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के पदाधिकारियो के साथ जिले के सगाजन उपस्थित रहे ।संगठन के अध्यक्ष छागुर राम गौड़ व स्वामी प्रसाद गौड़ ने पदाधिकारियो के साथ भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर दीप प्रज्वल व माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की।यहाँ लोक कलाकारों द्वारा यहां परंपरागत लोक नृत्य पेश किया गया जिसको देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी जिससे सभी को पुरानी संस्कृति की याद ताजा हो गई।यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मौजूद जन समूह को संबोधित करते हुए कहा भगवान बिरसा मुंडा के रास्ते पर चलते हुए समाज को एकजुट करने की बड़ी जरूरत है। संगठन लगातार सभी को एक कर अपनी देश में हिस्सेदारी की मांग कर रहा है सभी परिवारों को एकजुट करते हुए बच्चों की शिक्षा दीक्षा के अच्छे इंतजाम किए जाने के लिए सभी एकजुट रहे और भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चले। यहां आयोजकों द्वारा आयोजक स्वामी प्रसाद गौड़ द्वारा अतिथियों व पत्रकारों का सम्मान किया गया सम्मानित होने वालों में रवि श्रीवास्तव राजबहादुर सुरेंद्र वर्मा अंकित राय शशि प्रताप सिंह राजदेव शुक्ल आदि शामिल रहे। यहां रामलगन गौड़ ललित कुमार गौड़ प्रदेश अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद गौड़ रामनरेश गौड़ धर्मेंद्र कुमार गौड़ रामप्रीत स्वामी प्रसाद गौड़ सुरेश कुमार रामपुर भानु प्रकाश आदि को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

हाईवे पर टकराए तीन वाहन, मेदांता के डाक्टर व स्टाफ समेत तीन की मौत

–भीषण दुर्घटना में 15 लोग घायल, कुढ़ा सादात गांव के समीप हुई दुर्घटना

अयोध्या(आरएनएस)। अयोध्या–लखनऊ फोरलेन पर शुक्रवार भोर आपस में तीन वाहनों के जबरदस्त टक्कर में 3 लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि 15 घायलों को एम्बुलेंस व पुलिस की आपसी मदद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली में भर्ती कराया गया है। जहां दो घायलों की हालत लगातार बिगड़ने पर जिला अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। हादसा शुक्रवार भोर उस समय हुआ जब ट्रक अपने गंतव्य के लिए मुड़ रहा था। घना कोहरा पड़ने से दृश्यता काफी प्रभावित थी। रुदौली पुलिस के मुताबिक मरने वाले सभी मेदांता अस्पताल लखनऊ के स्टॉफ थे जो कार्तिक पूर्णिमा पर अयोध्या दर्शन में जा रहे थे। जबकि ट्रैवलर सवार लोग कानपुर से बारात गोरखपुर जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक दुर्घटना रुदौली कोतवाली की पुलिस चौकी भेलसर अन्तर्गत फोरलेन स्थित कूड़ा सादात स्थान पर बने कट पर ट्रक मुड़ने के दौरान हुई। घना कोहरा होने से वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसी समय एक ट्रक कूड़ा सादात कट पर मुड़ने लगा। तभी पहुंची कार ट्रक में टकरा गई और पीछे से सवारियों को लेकर जा रही ट्रैवलर बस भी भीड़ गई। तीनों वाहनों की जोरदार टक्कर से 18 लोग घायल हो गए।

हाइवे पर तीनों वाहनों के टक्कर से हुए तेज धमाके के चलते स्थानीय लोगों का ध्यान उधर गया। हाइवे पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोग और राहगीर मदद में पहुंच गए। एम्बुलेंस और पुलिस को मोबाइल फोन से सूचना देते हुए राहत एवं बचाव में जुट गए। सूचना मिलते ही मौके पर डायल 112 तथा भेलसर चौकी पुलिस पहुंच गई। फिर एम्बुलेंस और लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच कर 02 युवतियों और एक घायल को मृत घोषित कर दिया है। दो लोगों की हालत गम्भीर होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। हादसे में मृतकों में डॉक्टर मो.हुसैन (30)पुत्र अली रजा निवासी ग्राम सेमरी थाना रामपुर कारखाना जनपद देवरिया, मृतका 25 वर्षीय रचना पुत्री धर्मवीर निवासी मीरुआ मढ़आ उमर्दा कन्नौज तथा 24 वर्षीय उपासना सिंह पुत्री राकेश सिंह निवासी भदुरिया लोहागढ़ कन्नौज हैं। वहीं गम्भीर घायलों में स्नेहा और नीतू को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य घायलों सुनील जायसवाल, संदीप जायसवाल, वंदना जायसवाल, आशीष जायसवाल, गौरी जायसवाल, श्रुति जायसवाल, गरिमा जायसवाल, रीना जायसवाल, तृप्ति जायसवाल, पूजा जायसवाल, रणधीर सिंह, रीना देवी, पीड़ित हैं। बताया जा रहा कि ये सभी ट्रैवेलर पर थे।

किशोरी से दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने में पाक्सो सह आरोपित को मिली जमानत

अयोध्या(आरएनएस)। खण्डासा थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी साथ दुराचार करने एवं जान से मारने की धमकी देने के मामले में जेल की सलाखों के पीछे निरूद्ध पाक्सो सह आरोपित मानू उर्फ आन मोहम्मद की संबंधित कोर्ट से राहत मिल गयी है। विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम निरूपमा विक्रम ने न्यायालय में प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के पश्चात पाक्सो सह आरोपित मानू उर्फ आन मोहम्मद की जमानत अर्जी मंजूर करने का आदेश पारित किया है।इसके पहले न्यायालय में सुनवाई के दौरान पाक्सो सह आरोपित मानू उर्फ आन मोहम्मद के पक्ष से वरिष्ठ अधिवक्त शावेज जाफरी व सतीश वर्मा ने पैरवी किया। बहस के दौरान तर्क दिया कि पाक्सो आरोपित निर्दोष है और महज रंजिशन मुकदमा में झूंठा फंसाया गया है उसके विरूद्ध प्रथम दृष्टया कोई अपराध नहीं बनता है न ही मुकदमें में कोई स्वतंत्र गवाह है। प्रथम सूचना रिर्पोट के अवलोकन से स्पष्ट है कि सह आरोपित ने पीड़िता के साथ काई दुष्कर्म नहीं किया है और न ही जान से मारने की धमकी दी है जमानत प्रार्थना पत्र की याचना की है।अभियोजन पक्ष के अनुसार अयोध्या से खंडासा थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासिनी 16 वर्षीय किशोरी ने 4 सितम्बर 2024 को तहरीर देकर मानू उर्फ आन मोहम्मद पर आरोप लगाया था कि 20 दिन पहले उसे सूनसान स्थान पर बुलाया गया इस दौरान उसके साथ शहबान पुत्र वारिस ग्राम राम पट्टी थाना खंडासा ने उसका हाथ पकड़कर गिरा दिया और मानू के सामने ही शारीरिक संबंध बनाया यह बात पीड़िता ने किसी को नहीं बताया इसके पश्चात 2 सितम्बर 2024 को दिन में उसके घर आकर आरोपियों ने उसे व परिवार को जान से मारने की धमकी दिया तभी से उसका परिवार भयभीत है। आरोपियों द्वारा उसका अपहरण कर अन्य जगह भेजना चाहते हैं। दोनो सर्कस व दबंग किश्म के है उसके छोटे मजरे को बम से उड़ाने को कह रहे हैं। पीड़िता की तहरीर पर दोनो आरोपियों के विरूद्ध थाना खंडासा में मु.अ.सं. 192ध्2024 अन्तर्गत धारा बीएनएस की गंभीर अपराधों के अलावां एससीध्एसटी व पाक्सो एक्ट की धाराओं में दर्ज किया गया।

रेप व जान से मारने की धमकी में पाक्सो आरोपी दोषमुक्त

अयोध्या(आरएनएस)। तीन साल पहले हैदरगंज क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पाक्सो आरोपित अंकेश मिश्र पर अपराध साबित न होने पर संदेह का लाभ देते हुए बाइज्जत बरी कर दिया गया है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट प्रथम निरूपमा विक्रम ने पीड़िता एवं गावाहों के बयान तथा बचाव पक्ष के तर्कों को सुनने के पश्चात शुक्रवार को सुनाया है।बचाव पक्ष से वरिष्ठ फौजदारी अधिवक्ता निजामुद्दीन उर्फ शब्बन ने पैरवी किया। तर्क दिया कि वह निर्दोष है उसे फर्जी फसाया गया है। इसके पहले भी उसकी मां ने दो लड़कों के खिलाफ रेप का मुकदमा दर्ज कराया था पीड़िता की उम्र 18 वर्ष है वह बालिग है। बचाव पक्ष ने न्यायालय में एक कागज भी दाखिल किया था जिसमें पीड़िता को सरकार की ओर से 7 लाख रूपया मिला था। पीड़िता एवं अन्य गवाहों के बयानों में भिन्नता भी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 18 जुलाई 2021 की सुबह 9 बजे एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी शौंच के लिए वासुदेव के गन्ने के खेत में गयी थी जैसी ही उसने अपना वस्त्र खोला था तभी गांव के ही अंकेश मिश्र व गुड्डू अचानक गन्ने के खेत में आये और पीछे से हाथ पकड़कर उसे जमीन पर बलपूर्वक गिरा दिया

ढेमवा पुल के गड्ढे में गिरी कार, चालक घायल

सोहावल– अयोध्या(आरएनएस)।रौनाही थाना अंतर्गत बाढ़ और काटन की चपेट में आए ढेमवा पुल के उत्तरी छोर पर बने गड्ढे में शुक्रवार की रात में एक कार चालक तेज रफ्तार का शिकार हो गया और अपनी अल्टो कार यू पी 51 ए पी 7914 को लेकर पुल के गड्ढे में जा गिरा। आसपास से दौड़े लोगों ने कार में फंसे चालक को वाहन से बाहर निकाला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने इसे इलाज के लिए सी एच सी भेजा है। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह ने बताया कि चालक की पहचान बद्री पाण्डेय उम्र 40 वर्ष पुत्र रघुबीर निवासी जमथा गोंडा के रूप में हुई है। जिसका इलाज अभी चल रहा है।

कार्तिक पूर्णिमा पर सरयू नदी में स्नान करते श्रद्धालु

अयोध्या(आरएनएस)। कार्तिक माह की पूर्णिमा पर रामनगरी अयोध्या में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पूर्णिमा के मौके पर श्रद्धालुओं ने पावन सरिला सरयू में डुबकी लगाई और इसके बाद मठ मंदिरों में दर्शन पूजन किया। सरयू में स्नान और दान, कल्पवास करने वाले श्रद्धालुओं का अनुष्ठान आज पूरा हो गया। इसी के साथ कार्तिक माह का का भी समापन हुआ।रामनगरी में चल रहे कार्तिक मेला का अंतिम व तीसरा चरण पूर्णिमा स्नान गुरुवार को सायं 5.23 बजे से शुरू हो कर शनिवार को भोर में 3.06 बजे तक रहा। लेकिन उदया तिथि में सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त के मध्य पूर्णिमा उपलब्ध रहने के कारण स्नान पर्व शुक्रवार को मनाया गया। इस पर्व को लेकर पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। यह सभी श्रद्धालु ब्रह्ममुहुर्त से ही मां सरयू के पुण्य सलिल में डुबकी लगाकर तीर्थ पुरोहितों व असहायों को अन्न–वस्त्र व द्रव्यादि का दान देकर पुण्यार्जन किया। इसके साथ नागेश्वर नाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के साथ हनुमानगढ़ी व कनकभवन समेत राम मंदिर में रामलला का दर्शन किये।

शुरू हुई तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता

अयोध्या(आरएनएस)। जिला रायफल क्लब में तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता में पूरे भारत से आए हुए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया आज कुल मिला कर 200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया आयोजक शनि कुमार वर्मा ने बताया प्रतियोगिता को सुचारू रूप से से करने के लिए जैनुल खान बृजेश अशरफ सपना मेहविश श्रेया प्रखर सुरजन सिंह ने अपनी अहम भूमिका निभाई

किशोरी को अगवा करने वाला आरोपी गिरफ्तार

–पुलिस ने न्यायालय में किया पेश भेजा गया जेल

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। किशोरी को अगवा करने वाले आरोपी युवक को पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र से गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करने के बाद न्यायालय में पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया था। मिली जानकारी के मुताबिक थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय किशोरी 8 नवंबर की सुबह सात बजे अचानक गांव से लापता हो गई थी। काफी समय भी जाने के बाद जब घर वापस नहीं आई तो परिजन खोजबीन करना शुरू किया। लेकिन कहीं पर कोई पता नहीं लग रही थी। काफी प्रयास के बाद दूसरे दिन किशोरी के पिता को जानकारी मिली कि पड़ोसी गांव का एक युवक अपने साथ ले गया है। किशोरी के पिता ने थाना इनायत नगर पहुंचकर आरोपी युवक सूरज यादव पुत्र मनीराम यादव के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दिया। तारीख के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।मुखबिर ने पुलिस को सूचना दिया कि किशोरी का अपहरण करने वाला आरोपी कोतवाली क्षेत्र के जमदुतिया जंगल के पीछे ट्यूबेल के पास मौजूद है जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक अमर बहादुर पटेल कांस्टेबल राजू प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया और थाने ले आए जहां पर विधि कार्रवाई करने के बाद न्यायालय में पेश किया।

कृषि सम्मेलन की बसों को विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रुदौली–अयोध्या(आरएनएस)। कृषि भारत वैश्विक किसान सम्मेलन में शामिल होने के लिए रुदौली विधानसभा से भी सैकड़ों किसान बसों से है। शुक्रवार को सुबह विधायक रामचंद्र यादव ने रुदौली और मवई ब्लाक की सभी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक रामचंद्र यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार लखनऊ में चार दिवसीय 'कृषि भारत' वैश्विक सम्मेलन आयोजित कर रही है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसमें कई देशों के उद्योग विशेषज्ञ, कृषि वैज्ञानिक, किसान व उद्यमी हिस्सा लेंगे।सम्मेलन में भारतीय कृषि के क्षेत्र में हो रही महत्वपूर्ण प्रगति पर चर्चा होगी। इसमें एक लाख से अधिक किसान कृषि क्षेत्र की नई तकनीकों के बारे में जानकारी लेंगे। इसमें करीब 200 कंपनियां शामिल होंगी। इस सम्मेलन में नीदरलैंड पार्टनर देश के रूप में भाग ले रहा है। विधायक ने बताया कि लखनऊ के वृंदावन ग्राउंड में आयोजित 'कृषि भारत सम्मेलन' में 20 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में प्रदर्शनी लगेगी। इसका आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) कर रहा है। इससे पहले सीआईआई चंडीगढ़ में ऐसे ही 15 'कृषि भारत' सम्मेलन करवा चुका है।

महंत सत्यभारती के प्रयास से अमौनी मठ पूरे देश में चर्चित – दयानंद शुक्ला

अयोध्या।(आरएनएस) ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में विश्व का सर्वाधिक ऊंचा राम मंदिर बनेगा। ऑस्ट्रेलिया की संस्था इंटरनेशनल श्रीराम वैदिक एंड कल्चरल यूनियन द्वारा मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। अयोध्या राम मंदिर की डिजाइन बनाने वाले आर्किटेक्टों द्वारा इसका डिजाइन बनाया गया है। पीएम मोदी द्वारा भूमि पूजन करवाने की योजना संस्था के द्वारा बनाई गई है। पर्थ के राम मंदिर के कोषाध्यक्ष अमोल कटिहार ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में विश्व का सबसे ऊंचा राम मंदिर बनाया जाएगा। 150 एकड़ भूमि पर 721 फीट ऊंचे मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। मंदिर पांच मंजिला होगा। अयोध्या राम मंदिर को डिजाइन करने वाले आर्किटेक्ट सीबी सोमपुरा व आशीष सोमपुरा, सीबी सोमपुरा और आशीष सोमपुरा द्वारा मंदिर का डिजाइन बनाया गया है।

फाइनल मुकाबलों के साथ प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

अयोध्या(आरएनएस)। मकबरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में लोकसभा प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का समापन हुआ। 4 सितम्बर से ब्लाक स्तर पर प्रारम्भ हुई प्रतियोगिताओं में विजेता तथा उपविजेता टीमों का फाइनल लोकसभा स्तर पर खेला गया। वॉलीबाल, रस्साकसी, कबड्डी, एथलेटिक्स में दौड़, फुटबाल तथा क्रिकेट की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व सांसद लल्लू सिंह के संयोजन में हुआ।

संपादकीय

यह है रीमेक का माया जाल

रोहित शेट्टी फिर अपने कॉप यूनिवर्स में लौट गए हैं। सिंघम्य के बाद आईं सिंघम रिटर्न्य, सिंबाय और सूर्यवंशीय इसी यूनिवर्स का हिस्सा थीं। अब रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन्य की शक्ल में रामायण पेश कर रहे है। इस फिल्म में रामायण जैसा कथानक है। इस फिल्म में आतंकवाद है, राष्ट्रवाद है, पाकिस्तान है, मुसलमान है और नया कश्मीर है, जहां अब पत्थरबाजी बंद हो गई है। नए भारत के नए दर्शकों को और क्या चाहिए?नितेश तिवारी जो रनबीर कपूर, साई पल्लवी और यश के साथ रामायणय बना रहे हैं, वह दो टुकड़ों में बनेगी और उसका पहला भाग 2026 में रिलीज होगा। लेकिन रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन्य की शक्ल में अपने हिस्से की रामायण पेश भी कर दी है। उनकी इस फिल्म में रामायण जैसा कथानक है। बाकायदा रामायण के मंचन के दृश्य दिखा कर समझाया गया है कि किस कलाकार की भूमिका रामायण के किस पात्र का स्वरूप है। इस फिल्म में आतंकवाद है, राष्ट्रवाद है, पाकिस्तान है, मुसलमान है और नया कश्मीर है, जहां अब पत्थरबाजी बंद हो गई है। नए भारत के नए दर्शकों को और क्या चाहिए?सर्कस के पिटने के बाद रोहित शेट्टी फिर अपने कॉप यूनिवर्स में लौट गए हैं। सिंघम्य के बाद आईं सिंघम रिटर्न्य, सिंबाय और सूर्यवंशीय इसी यूनिवर्स का हिस्सा थीं। इन सबके मुख्य पात्र पुलिस अफसर थे जो यूनिवर्स की किसी भी फिल्म में कहीं भी आ–जा सकते हैं। इस बार सिंघम अगेन्य में रोहित शेट्टी ने सिंबाय यानी रणवीर सिंह और सूर्यवंशीय यानी अक्षय कुमार के अलावा कुछ नए पात्र भी जोड़ लिए हैं। जैसे शक्ति शेट्टी (दीपिका पादुकोण) और सत्य बल (टाइगर श्रॉफ)। वैसे फिल्म में जैकी श्रॉफ भी हैं और अर्जुन कपूर भी, जो कि विलेन हैं। एक बड़े आतंकवादी का पोता, जो अपने बाप और चाचा की मौत का बदला लेना चाहता है और जिसका ठिकाना श्रीलंका में है, वह करीना कपूर रूपी सीता का अपहरण कर लेता है। जाहिर है राम यानी अजय देवगन दल–बल सहित सीता को वापस लाने और इस दुष्ट को सबक सिखाने और उसका साम्राज्य नेस्तनाबूद करने चल देते हैं। और इस अभियान में लक्ष्मण, हनुमान, जटायु, सुग्रीव, गरुड़ इत्यादि अलग–अलग पात्रों की शक्ल में उनका साथ देते हैं। रोहित शेट्टी और पांच अन्य लोगों ने, यानी कुल छह लोगों ने मिल कर इसे लिखा है। इसी तरह डायलॉग लिखने में भी रोहित शेट्टी और मिलाप झावेरी सहित सहित कुल चार लोग लगे। यहां तक कि स्वानंद किरकिरे के लिखे एक गीत के बीस गायक हैं। यह कोई कोरस नहीं है। इन सभी को अलग–अलग पंक्तियां गाने को मिली हैं। इसलिए उनके नाम दिए गए हैं। फिल्म के अंत में अपने बारह सेकेंड के कैमियो में चुलबुल पांडे यानी सलमान खान प्रकट होते हैं और सिंघम्य को साथ आने का यानी भविष्य की चुलबुल सिंघम्य टाइप किसी फिल्म का संकेत देते हैं। ध्यान रहे, चुलबुल पांडे सलमान की दबंगय श्रृंखला का नायक पुलिसवाला है। दबंगय के तीन संस्करण आए और तीसरे के बुरी तरह पिटने के बाद चौथे संस्करण की बात कहीं सुनाई नहीं दे रही। लगता है कि वहां चुलबुल के पास कोई काम नहीं बचा, इसलिए वे रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बन गए। इस यूनिवर्स के तमाम मुख्य पात्रों के नाम एसय से शुरू होते हैं। चुलबुल पांडे पहले होंगे जो इस क्रम को तोड़ेंगे। रोहित शेट्टी का हाल यह है कि उन्हें फिल्मों में जो भी पुलिसवाले की भूमिका में जंचने वाला कलाकार मिला उसे वे अपने यूनिवर्स में खींच लेते हैं। अगर आज जगदीश राज और इफ्तिखार जीवित होते तो शायद वे भी इस यूनिवर्स का हिस्सा होते। इसके साथ ही भूल भुलैया 3य रिलीज हुई जो अपनी श्रृंखला की तीसरी किस्त है। पहले संस्करण से ही दर्शकों में इसका क्रेज पैदा हो गया था जिसमें अक्षय कुमार, विद्या बालन और अमीषा पटेल थे और प्रियदर्शन का निर्देशन था। इसके पंद्रह साल बाद टी सीरीज वाले भूल भुलैया 2य लेकर आए जिसमें कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू को मुख्य भूमिकाएं मिलीं। अनीज बज़्मी के निर्देशन में बनी 2022 की इस फिल्म ने भी अच्छी कमाई की जिसके कारण दो साल बाद ही इसका तीसरा संस्करण आ गया। इसमें भी अनीज बज़्मी का निर्देशन है। भूल भुलैया 3य में कार्तिक आर्यन फिर से रूह बाबा यानी एक फजर्धी प्रेत साधक बने हैं और पूरे आत्मविश्वास से बने हैं। दूसरे संस्करण में भी उनकी यही भूमिका थी जिसमें वे एकदम फिट हो गए लगते हैं। अक्षय कुमार से शुरू हुई इस श्रृंखला के बाद के दोनों संस्करणों में कार्तिक आर्यन हीरो हैं। वैसे भी माना जाता है कि वे भविष्य के अक्षय कुमार हैं। उनके साथ तृप्ति डिमरी और माधुरी दीक्षित को भी अहम भूमिकाएं दी गई हैं और जिन विद्या बालन ने दूसरे संस्करण में काम करने से यह कह कर इन्कार कर दिया था कि सीक्वल नहीं चलेगा, वे अपनी बात गलत साबित होने पर इसके तीसरे संस्करण में लौट आई हैं।भूल भुलैया 3य में भी दो सौ साल पुरानी एक बंगाली हवेली अथवा महल है जिसमें एक कमरा है जो हमेशा बंद रहता है। मंजुलिका नाम की एक महिला की आत्मा उसमें बंद है जो बदला लेने पर उतारू है। कभी–कभी उसमें से किसी के गाने की या पायल की आवाज आती है। भूल भुलैया 3य बताती है कि किसी समय रक्तोघाट नामक रियासत के राजा ने इस महिला को जिंदा जलवा दिया था। अब यानी उसके दो सौ साल बाद ठग रूह बाबा को पैसे का लालच देकर तृप्ति डिमरी इस हवेली में ले आती हैं। वहां उसे नए–नए रहस्य पता चलते हैं। संदिग्ध गतिविधियों वाले विद्या बालन और माधुरी दीक्षित के पात्र रूह बाबा के पीछे पड़ जाते हैं। मगर अंत में सब कुछ बदल जाता है। स्त्री 2य की बड़ी सफलता ने वैसे भी देश में हॉरर कॉमेडी वाली फिल्मों के लिए नई उम्मीदें जगा दी हैं जबकि भूल भुलैयाय श्रृंखला लोगों को पहले से ही पसंद आ रही है। इसीलिए सिंघम अगेन्य की भारी–भरकम स्टार कास्ट के बावजूद भूल भुलैया 3य उसे टक्कर दे रही है।

सिंघम अगेन्य का बजट 300 करोड़ से ऊपर बताया जा रहा है जबकि भूल भुलैया 3य इसके लगभग आधे पैसे में पूरी हो गई। दोनों फिल्मों की दीवाली पर एकसाथ रिलीज को लेकर बाकायदा विवाद खड़ा हुआ। पहले खबर आई कि कार्तिक आर्यन ने अजय देवगन से यह गुजारिश की है कि वे सिंघम अगेन्य को एक हफ्ते पहले या एक हफ्ते बाद रिलीज कर लें। अजय सिंघम अगेन्य के सह–निर्माता भी हैं। लेकिन बात नहीं बनी और दोनों फिल्में एकसाथ रिलीज हुईं। फिर एक और विवाद खड़ा हुआ। भूल भुलैया 3 के निर्माता कम स्क्रीन मिलने की शिकायत लेकर सीसीआई यानी कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया पहुंच गए। शुरू में हालत यह थी कि सिंघम अगेन्य को चौबीस घंटे में 5723 शो मिल रहे थे जबकि भूल भुलैया 3य को 4294 शो। सीसीआई से टी सीरीज वालों ने मांग की कि दोनों फिल्मों को आधी–आधी स्क्रीनें दिलवाई जाएं। शायद इसी का नतीजा था कि भूल भुलैया 3य को रात को ग्यारह बजे और फिर रात को तीन बजे के कुछ शो और मिल गए। फिर भी उसके कुल शो कम रहे। अब स्थिति यह है कि भूल भुलैया 3य के पास स्क्रीनें कम हैं तो शो भी कम हैं, फिर भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सिंघम अगेन्य से कड़ा मुकाबला कर रही है। ये दोनों फिल्में जिस तरह चल रही हैं उससे निश्चित ही हिंदी सिनेमा को इस साल हुए नुक्सान की काफी हद तक भरपाई होगी।यह अलग बात है कि इन दोनों ही फिल्मों का स्तर बहुत हल्का है। लेकिन शायद हिंदी के दर्शक अब औसत दर्जे की फिल्मों को ही पसंद कर रहे हैं। पिछले दो–तीन सालों में जितनी भी फिल्में बड़ी हिट मानी गई हैं उनमें अधिकतर का दर्जा औसत से ऊपर नहीं था। न फिल्मकारिता में और न कथ्य में। जबकि इसी दौरान जो बेहतर फिल्में आईं वे पिट गईं।

जनजातीय गौरव को बढ़ावा देने में अग्रणी मध्यप्रदेश

जनजातीय गौरव दिवस पर यह अवश्य याद रखना चाहिए कि अभारतीय ताकतों ने अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र के अंतर्गत जनजातीय समुदाय को भ्रमित करने के लिए 9 अगस्त को 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' को 'आदिवासी दिवस' कहकर भारत में बढ़ावा दिया गया।मध्यप्रदेश वह राज्य है, जिसकी पहल पर देश को 'जनजातीय गौरव दिवस' मिला है। यह बात तो हर कोई मानता है कि मध्यप्रदेश की सरकार ने जनजातीय नायकों का गौरव बढ़ाने के लिए उनसे जुड़े स्मारकों का आगे बढ़कर विकास किया है। राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह, रानी कमलापति, रानी दुर्गावती, टंट्या मामा और भीमा नायक से लेकर कई नायकों के योगदान से लोगों को परिचित कराने के उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मंडला के मेडिकल कॉलेज का नाम बलिदानी हृदयशाह के नाम पर किया गया। वहीं, छिंडवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम 'राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय' किया। हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'रानी कमलापति रेलवे स्टेशन' किया गया। जबलपुर में 100 करोड़ की लागत से 'रानी दुर्गावती स्मारक' को विकसित किया जा रहा है। जनजातीय गौरव को बढ़ाने के साथ ही जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए भी मध्यप्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। विगत 20 वर्षों में जनजातीय योजनाओं का बजट 1000 प्रतिशत बढ़ा है। मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहाँ जनजातीय समुदाय के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पेसा कानून को लागू किया गया है। जनजातीय समुदाय से आनेवाली पहली महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में 15 नवंबर, 2022 को मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 89 विकासखंडों को पेसा कानून की सौगात मिली। मध्यप्रदेश के बजट का अध्ययन करें तो ध्यान आएगा कि 2003–04 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 746.60 करोड़ रुपये था। जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं को बजट की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए भाजपा सरकार ने सबसे पहला काम यही किया कि जनजातीय कार्य विभाग के बजट में लगातार बढ़ोतरी की। वर्ष 2003–04 के मुकाबले वर्ष 2023–24 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 1000 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,768 करोड़ रुपये का हो गया है। इस बजट का उपयोग जनजातीय वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, रोजगार एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं के साथ ही विकास कार्यों को गति देने में किया गया है। विद्यार्थियों को शिक्षा के समुचित अवसर एवं आर्थिक सहयोग के साथ ही सरकार की ओर से रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण भी दिलाया जा रहा है। कम्प्युटर कौशल सिखाने के साथ जनजातीय युवाओं को पुलिस और सेना में भर्ती का प्रशिक्षण देने का काम भी मध्यप्रदेश में किया जा रहा है। जनजातीय वर्गों के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए आहार अनुदान योजना, सिकल सेल उन्मूलन मिशन, मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार ग्राम, देवारण्य, अनुसूचित जनजाति ऋण विमुक्ति अधिनियम–2020, मिलेट मिशन, प्रधानमंत्री वन–धन योजना, आकांक्षा योजना, प्रतिभा योजना, आवास सहायता योजना, विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति, प्री एवं पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति, अखिल भारतीय सेवाओं के लिए कोचिंग एवं प्रोत्साहन तथा जनजातीय लोक कलाकृतियों एवं उत्पादों की जीआई टैगिंग जैसे कदम मध्यप्रदेश में उठाए गए हैं। जनजातीय गौरव दिवस पर यह अवश्य याद रखना चाहिए कि अभारतीय ताकतों ने अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र के अंतर्गत जनजातीय समुदाय को भ्रमित करने के लिए 9 अगस्त को 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' को 'आदिवासी दिवस' कहकर भारत में बढ़ावा दिया गया, जबकि इस दिन का भारत और जनजातीय गौरव के साथ कोई संबंध नहीं है। वास्तव में यह तो दुरूखद त्रासदी की शुरुआत का दिन है। ब्रिटिस सेना ने अमेरिका के मूल निवासियों का नरसंहार किया। बाद में, उसके अपराध बोध से मुक्त होने के लिए 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' (प्द. जमतदंजपवदंस क्ंल व ि जीम ॅवतसकश्े प्दकपहमदवने च्मवचसमे) के रूप में 9 अगस्त को चुना गया। यहाँ यह भी ध्यान रखें कि वैश्विक षड्यंत्र के अंतर्गत ही 'वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे' का अनुवाद 'विश्व आदिवासी दिवस' के रूप में किया गया है। वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र ने अब तक 'इंडिजिनियस पीपल' (पदकपह. मदवने चमवचसम) की स्पष्ट

परिभाषा तक नहीं की है। यही कारण है कि जब 1989 में विश्व मजदूर संगठन द्वारा 'राइट्स ऑफ इंडिजिनस पीपल' कन्वेन्शन क्रमांक–169 घोषित किया गया, तब उसे विश्व के 189 में से केवल 22 देशों ने ही स्वीकार किया। इसका मुख्य कारण 'इंडिजिनस पीपल' शब्द की परिभाषा को स्पष्ट नहीं करना ही था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने भारत माता के महान बेटे बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मान्यता देकर प्रशंसनीय कार्य किया है। जनजाति वर्ग के इस बेटे ने भारत की सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्वतंत्रता के लिए महान संघर्ष किया और बलिदान दिया। अपनी धरती की रक्षा के लिए उन्होंने विदेशी ताकतों के साथ जिस ढंग से संघर्ष किया, उसके कारण समूचा जनजाति समाज उन्हें अपना भगवान मानने लगा। उन्हें 'धरती आबा' कहा गया। भगवान बिरसा मुंडा न केवल भारतीय जनजाति समुदाय के प्रेरणास्रोत हैं बल्कि उनका व्यक्तित्व सबको गौरव की अनुभूति कराता है। इसलिए उनकी जयंती सही मायने में 'गौरव दिवस' है। जिस प्रकार भगवान बिरसा मुंडा ने विदेशी ताकतों के षड्यंत्रों से भारत को बचाया, उसी प्रकार उनकी

स्मृति में मनाया जानेवाला जनजातीय गौरव दिवस भी हमें वर्तमान में चल रही साजिशों से बचाएगा और भारत के 'स्व' की स्थापना की प्रेरणा देगा।

राजनीतिक पूंजी बचाने और बागियों को सबक सिखाने के लिए दिन–रात मेहनत कर रहे शरद पवार

शरद पवार साथ ही उन सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भी जा रहे हैं जिन्होंने अजित पवार के नेतृत्व में उनको धोखा दिया। उन विधायकों के क्षेत्रों में जाकर वह उनकी कारगुजारियों से जनता को अवगत करा रहे हैं और उन्हें सबक सिखाने के लिए कह रहे हैं। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार के लिए इस बार का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पहले के चुनावों की तरह सामान्य नहीं है। यह चुनाव शरद पवार के लिए सिर्फ सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भी नहीं है। शरद पवार के लिए इस बार का चुनाव अपनी जीवन भर की राजनीतिक कमाई को बचाने और धोखा देने वालों को सबक सिखाने का चुनाव भी है। हम आपको याद दिला दें कि भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार द्वारा बनाई गयी पार्टी एनसीपी पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे जैसे कई नेता हैं जिनको संकट के समय शरद पवार ने राजनीतिक सहारा देकर उबारा था लेकिन वह धोखा देकर अजित पवार के साथ चले गये। इसलिए इस चुनाव में शरद पवार हर वो चाल चल रहे हैं जिससे उनको धोखा देने वालों को सबक सिखाया जा सके। जहां भावनात्मक कार्ड खेलना है वहां शरद पवार इमोशनल हो जा रहे हैं, जहां राजनीतिक चाल चलनी है वहां वह आक्रामक हो जा रहे हैं। उनको इस बार कितनी बड़ी राजनीतिक कामयाबी मिल पाती है यह तो परिणाम ही बताएंगे लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति के वटवृक्ष माने जाने वाले शरद पवार दिन–रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं।बारामती में लोकसभा चुनावों के दौरान शरद पवार का इमोशनल कार्ड लोकसभा चुनावों में भी चला था जब उनकी बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव में उतार दिया था। अब अजित पवार के खिलाफ उनके भतीजे रोहित पवार को उतार कर जब शरद पवार प्रचार के लिए उतरे तो उन्होंने फिर से भावनात्मक कार्ड खेला और सक्रिय राजनीति से संन्यास के संकेत दिये। एक तरफ उन्होंने बारामती में इमोशनल कार्ड खेला तो दूसरी ओर राजनीतिक कार्ड खेलते हुए अजित पवार को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने और अपनी फोटो का उपयोग करने से रोकने के लिए अदालत की शरण भी ली।शरद पवार साथ ही उन सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भी जा रहे हैं जिन्होंने अजित पवार के नेतृत्व में उनको धोखा दिया। उन विधायकों के क्षेत्रों में जाकर वह उनकी कारगुजारियों से जनता को अवगत करा रहे हैं और उन्हें सबक सिखाने के लिए कह रहे हैं। इस क्रम में शरद पवार ने पूर्व सहयोगी दिलीप वलसे पाटिल के खिलाफ मोर्चा खोला।

अमेरिका के साथ भारत के संबंध अब भी अच्छे

ट्रंप का एक और भाषण जो भारत में बहुत प्रसारित हुआ उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है वह बर्बर है। दुनिया का कोई नेता, जब बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदओं के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ तो ट्रंप हुए। क्या यह कोई मामूली बात है? क्या इस पर भारत के लोगों को खुशी नहीं मनानी चाहिए?

डोनाल्ड ट्रंप लौट आए हैं। अमेरिका के इतिहास में 131 साल में वे पहले राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने कमबैक किया है। चार साल राष्ट्रपति रहने और फिर बेहद कड़वाहट भरे चुनाव में हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद वापसी करके ट्रंप ने दिखाया है कि वे एक योद्धा हैं। उनके ऊपर महाभियोग चला। कई मुकदमे हुए। मुकदमे में सजा हुई। चुनाव प्रचार के दौरान उनके ऊपर गोली चली। लेकिन वे मैदान में डटे रहे और चुनाव जीता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नतीजों के 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद जब बधाई दी तो उनके साहस और योद्धा वाली भावना की तारीफ की और कहा कि वे ट्रंप के साथ यूक्रेन युद्ध पर बात करने के लिए तैयार हैं। ध्यान रखने की जरुरत है कि ट्रंप ने चुनाव प्रचार में कहा था कि वे राष्ट्रपति बनने के बाद एक घंटे में यूक्रेन का युद्ध रूकवा देंगे। ट्रंप की जीत के बाद पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलेंस्की दोनों उम्मीद कर रहे हैं कि वे युद्ध खत्म कराएंगे। अगर ऐसा होता है तो सोचिए यह दुनिया के लिए कितनी राहत की बात होगी!

दुनिया का हर देश ट्रंप के लौटने को अपने हिसाब से देख रहा है और उस पर प्रतिक्रिया दे रहा है। यूरोप के देशों खास कर फ्रांस और जर्मनी की प्रतिक्रिया सधी हुई लेकिन आशंका वाली थी। ट्रंप के आने के बाद इमैनुएल मैक्रों और ओलाफ शुल्ज दोनों यूरोपीय संघ की एकजुटता की बात कर रहे हैं। ब्रिटेन की प्रतिक्रिया सामान्य थी लेकिन सबको पता है कि लेबर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोई बड़े प्रशंसक नहीं हैं। चीन के राष्ट्रपति ने तो उनको जीत पर निजी तौर पर बधाई ही नहीं दी। कुल मिला कर दुनिया के दो देश ऐसे हैं, भारत और इजराइल, जिनकी प्रतिक्रिया वास्तविक अर्थों में ट्रंप की जीत पर खुशी और संतोष वाली थी। इसी खुशी और संतोष के अंदाज में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने श्अपने दोस्त डोनाल्ड ट्रंप्य को बधाई दी। नतीजों के तुरंत बाद उन्होंने बधाई दी और उसके थोड़ी देर बाद दोनों की बातचीत भी हुई, जिसकी जानकारी खुद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी।

आश्चर्य नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर आम भारतीय नागरिकों ने भी खुशी मनाई। भारत के लोगों ने उनके भाषणों के वीडियो शेयर किए। उनके दो भाषण सबसे ज्यादा शेयर किए गए। अपने एक भाषण में ट्रंप ने कहा कि, श्मैं हिंदुओं का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मैं भारत का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। अगर मैं चुनाव जीता तो हिंदुओं का, भारतीयों का एक सच्चा दोस्त व्हाइट हाउस में होगाय। उन्होंने आगे कहा, श्भारतीय हिंदुओं की कई पीढियों ने हमारे देश अमेरिका को मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभाई हैय। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के 256 साल के इतिहास में किसी राष्ट्रपति ने भारत और हिंदुओं के बारे में इतनी सकारात्मक, सार्थक और अच्छी बातें नहीं कही हैं। ट्रंप का एक और भाषण जो भारत में बहुत प्रसारित हुआ उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है वह बर्बर है। दुनिया का कोई नेता, जब बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदओं के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ तो ट्रंप हुए। क्या यह कोई मामूली बात है? क्या इस पर भारत के लोगों को खुशी नहीं मनानी चाहिए?

ट्रंप की जीत पर भारतीयों के खुशी मनाने के एक नहीं कई कारण हैं। एक कारण तो यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके निजी संबंध बहुत अच्छे हैं। वे हमेशा प्रधानमंत्री की तारीफ करते रहे हैं और कई मौकों पर कहा है कि भारत के हितों की रक्षा के लिए श्री नरेंद्र मोदी कुछ भी कर सकते हैं। दोनों नेताओं के निजी संबंधों की केमिस्ट्री कैसी है यह टेक्सास के ह्यूस्टन में हुए श्हाउडी मोदीय और अहमदाबाद में हुए श्नमस्ते ट्रंप्य कार्यक्रम में दिखा। एक कार्यक्रम में अमेरिका में मोदी, मोदी के नारे लगे थे तो दूसरे में भारत में ट्रंप, ट्रंप के नारे लगे थे। दुनिया के दो सबसे बड़े और जीवंत लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के हित एकाकार हो गए दिखते हैं। ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके प्रगाढ़ संबंधों से इस बात की गारंटी है कि अब दुनिया में कहीं भी भारत के और हिंदुओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वालों की खैर नहीं होगी।

दुनिया जानती है कि आतंकवाद से सबसे ज्यादा पीड़ित देश भारत है। भारत का एक पड़ोसी देश दशकों से छद्म युद्ध छेड़े हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और मजबूत होती आर्थिकी से परेशान अनेक वैश्विक ताकतें भारत विरोधी गतिविधियों में जुट गई हैं। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन और कनाडा तक की सरजमीं से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। भारत के टुकड़े टुकड़े करने की इच्छा रखने वालों को मदद दी जा रही है। अलगाववादियों को शरण मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप की आतंकवाद पर सख्त नीति से ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगेगी। कनाडा और अमेरिका में बैठ कर भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाली ताकतें कमजोर होंगी। अलगाववादियों के प्रत्यर्पण का रास्ता भी साफ होगा। अमेरिका से हाल के दिनों में जो तनाव बना था उसमें कमी आएगी। अमेरिका के बाद कनाडा में सत्ता परिवर्तन की बारी है। डोनाल्ड ट्रंप के सबसे मुखर समर्थक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति इलॉन मस्क ने कहा है कि अगले चुनाव में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो हारेंगे। गौरतलब है कि मस्क ने ट्रंप के समर्थन में अपना सब कुछ दांव पर लगाया था। दुनिया के किसी कारोबारी ने कभी भी राजनीति में जो नहीं किया होगा वह मस्क ने किया। उन्होंने ट्रंप के प्रचार में करोड़ों डॉलर खर्च किए। मस्क ने ही अर्ली वोटिंग में हर दिन एक मतदाता को 10 लाख डॉलर देने का ऐलान करके ट्रंप का माहौल बनाया। तभी पांच नवंबर को हुए मतदान से पहले ही अर्ली वोटिंग में आठ करोड़ से ज्यादा वोट पड़े और ट्रंप के जीतने का आधार पहले ही बन गया था। अभिव्यक्ति की आजादी, निर्बाध व्यापार की स्वतंत्रता, लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्धता और आतंकवाद विरोध के विचार में मस्क ने ट्रंप का साथ दिया। इसी सोच में वे कनाडा में ट्रूडो सरकार की विदाई का बंदोबस्त भी करेंगे। सोचिए यह भारत के लिए कितनी सुखद बात होगी कि अपनी मूर्खता और स्वार्थ से भरी राजनीति में भारत और कनाडा के संबंधों को तहस नहस करने वाले जस्टिन ट्रूडो विदा होंगे।डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा पाकिस्तान को एक मवाली मुल्क माना है। उन्होंने राष्ट्रपति रहते उसकी मदद रोक दी थी। जो बाइडेन के शासन में फिर से पाकिस्तान को मदद मिलनी शुरू हुई है। लेकिन अब इस बात की पूरी संभावना है कि डोनाल्ड ट्रंप के राज में पाकिस्तान फिर अलग थलग होगा। उसे अमेरिका से कोई मदद नहीं मिलेगी। इतना ही विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं से भी पाकिस्तान को जो मदद मिल रही है वह बंद होगी। यह सामान्य सामरिक समझ की बात है कि अगर पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद बंद होती है तो उसके यहां फल फूल रहे आतंकवाद के नेटवर्क की कमर

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार केसाथ किसी धार्मिक स्थान पर जाने का प्लान बनायेंगे।

वृष राशि–

आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके काम आपके मन– मुताबिक पूरे होंगे। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको ही फायदा होगा।

मिथुन राशि–

आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स कोकड़ी मेहनत करने की जरुरत है। किसी भी काम को शुरू करने से पहले जीवनसाथी से राय–मशविरा कर लेना अच्छा रहेगा।

कर्क राशि–

आज थोड़ी–सी मेहनत से आपको बड़ा मुनाफा मिलने वाला है। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे,तो वह जरुर पूरा हो जायेगा।

सिंह राशि–

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा।

कन्या राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको ऑफिस के अधिकारियों के साथ ताल–मेल बनाकर कार्य करने की जरुरत है। आज आपको धन लाभ के नए सोर्स नजर आयेंगे। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ेगी।

तुला राशि–

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आमदनी में इजाफा होने के आसार नजर आ रहे हैं।

वृश्चिक राशि–

आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करने का मन बनायेंगे। किसी कोर्ट केस का फैसला आने में देर होगी। आप जो भी कार्य करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉजिटिव नजरिया रखने से वह तय वक्त में पूरा हो जायेगा ।

धनु राशि–

आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा । जरूरतमंद मित्रों की तरफ आप मदद का हाथ बढ़ायेंगे । आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा ।

मकर राशि–

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा । आप परिवारवालों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे । इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे ।

कुंभ राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहेगा । घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी । जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बढ़िया रहेगा ।

मीन राशि–

आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे । आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा । इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे । किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा ।

विज्डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पर्थ नहीं मुंबई में बहा रहे हैं पसीना, वीडियो हो रहा है वायरल

भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट मैच खेला जाना है। भारतीय टीम पर्थ के वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए जमकर तैयारी कर रही हैं, लेकिन इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा टीम इंडिया के साथ नहीं है।

22 नवंबर से भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट मैच खेला जाना है। भारतीय टीम पर्थ के वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए जमकर तैयारी कर रही हैं, लेकिन इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा टीम इंडिया के साथ नहीं है। रोहित निजी कारणों से पहला टेस्ट मैच नहीं खेला पाएंगे और फिलहाल मुंबई में हैं। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो रोहित दूसरी बार पिता बनने वाले हैं और अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए वह पत्नी रितिका सजदेह के साथ हैं। रोहित भले ही पर्थ नहीं पहुंचे हैं, लेकिन उन्होंने मुंबई में ही बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी की जमकर तैयारी शुरू कर दी है। इंस्टाग्राम अकाउंट से रोहित शर्मा की ट्रेनिंग का एक वीडियो शेयर किया गया है। माना जा रहा है कि रोहित सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच तक ऑस्ट्रेलिया पहुंच जाएंगे। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई क्लैरिटी नहीं है। सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 6 दिसंबर से खेला जाना है। रोहित शर्मा का कड़ी ट्रेनिंग करते हुए ये वीडियो जो फैंस के सामने आया है, वह उनके लिए किसी गुडन्यूज से कम नहीं है। रोहित बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए तैयारी में किसी तरह की ढील नहीं देना चाहते हैं। रोहित की गैरमौजूदगी में कप्तानी कौन करेगा, इसको लेकर हेड कोच गौतम गंभीर पहले ही अपनी बात कर रख चुके हैं। गंभीर ने कहा था कि टीम के उपकप्तान जसप्रीत बुमराह हैं तो वह टीम की कप्तानी करेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी जीती हैं ऐसे में एक बार फिर उनसे फैंस उम्मीद लगाए बैठे हैं। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भी भारत के लिए ये सीरीज बहुत अहम है। सीरीज का रिजल्ट ये डिसाइड करेगा कि भारतीय टीम लगातार तीसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेल पाएगी या नहीं।

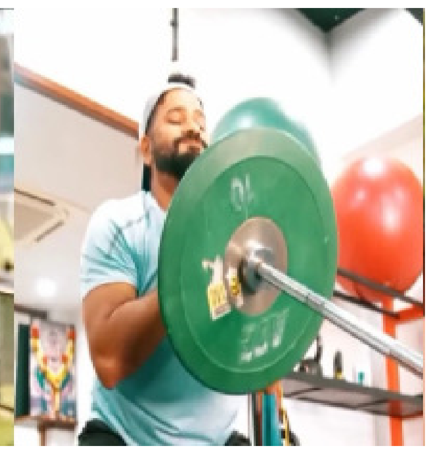

हिजबुल्लाह ने दागे 165 राकेट, कई लोग घायल, गाड़ियों में लगी आग

हिजबुल्लाह के ताजा हमले इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा पहली बार स्वीकार किए जाने के कुछ घंटों बाद हुए कि सितंबर में हिजबुल्लाह नेताओं पर पेजर और वॉकी–टॉकी हमलों के पीछे इजरायल का हाथ था, जिसमें कम से कम 39 लोग मारे गए और 3,000 से अधिक घायल हो गए। स्थानीय मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' अखबार ने नेतन्याहू के हवाले से कहा कि रक्षा प्रतिष्ठान में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक क्षेत्र में उनके समर्थकों के विरोध के बावजूद पेजर और हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला को खत्म करने का अभियान चलाया गया।लेबनान की तरफ से उत्तरी इजरायल के हाइफा पर बड़ा रॉकेट हमला किया गया। इस हमलें में एक बच्चे सहित कुल सात लोग घायल हो गए। इन हमलों को इजराइल पर उसकी सेना द्वारा दक्षिणी

लेबनान पर आक्रमण करने के बाद से किए गए सबसे घातक हमलों में से एक के रूप में चिह्नित किया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हिजबुल्लाह द्वारा उत्तरी इजराइल पर 165 से अधिक रॉकेट दागे गए। इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर हमले की पुष्टि की। इसने एक वीडियो क्लिप पोस्ट की जिसमें कुछ कारें आग की लपटों में जलती हुई दिखाई दे रही हैं और कैप्शन लिखा है – उत्तरी इजरायल हमले के अधीन है। हम हिजबुल्लाह की आक्रामकता के खिलाफ अपने नागरिकों की रक्षा करना जारी रखेंगे। हिजबुल्लाह के ताजा हमले इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा पहली बार स्वीकार किए जाने के कुछ घंटों बाद हुए कि सितंबर में हिजबुल्लाह नेताओं पर पेजर और वॉकी–टॉकी हमलों के पीछे इजरायल का हाथ था, जिसमें कम से कम 39 लोग मारे गए और 3,000 से अधिक घायल हो गए। स्थानीय मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' अखबार ने नेतन्याहू के हवाले से कहा कि रक्षा प्रतिष्ठान में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक क्षेत्र में उनके समर्थकों के विरोध के बावजूद पेजर और हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला को खत्म करने का अभियान चलाया गया। लेबनान और उत्तरी गाजा में इजरायली हमलों में बच्चों सहित दर्जनों लोगों की मौत हो गयी। हालांकि दुनिया भर की निगाहें इस बात पर टिकी हुई थीं कि अमेरिका में चुनाव ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों हमास और हिज्बुल्ला के खिलाफ जारी युद्ध को कैसे प्रभावित कर सकता है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को हुए चुनाव के बाद से डोनाल्ड ट्रंप के साथ तीन बार बात की है। इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मिलने वाले हैं। लेबनान में इजरायली हवाई हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई, जिसमें बेरूत के उत्तर में अलमत गांव में सात बच्चे भी शामिल हैं।

खालिस्तानियों की धमकी के बाद ब्रैम्पटन के मंदिरों ने रद्द किए कार्यक्रम, सुरक्षा देने में नाकाम कनाडा पुलिस

मंदिर के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि हमें ब्रैम्पटन त्रिवेणी मंदिर के भक्तों, सामुदायिक आगंतुकों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रद्द करने का उचित निर्णय लेना चाहिए। इसमें कहा गया है कि हमें गहरा दुख है कि कनाडाई अब कनाडा के हिंदू मंदिरों में आने में असुरक्षित महसूस करते हैं। मंदिर के अधिकारियों ने पील पुलिस को मंदिर के खिलाफ प्रसारित खतरों से निपटने और कनाडाई हिंदू समुदाय और आम जनता को सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए बुलाया।कनाडा में ब्रैम्पटन त्रिवेणी मंदिर ने एक कांसुलर कार्यक्रम रद्द कर दिया है। कनाडाई पुलिस ने उन्हें हिंसक विरोध प्रदर्शन के खतरे के स्तर की चेतावनी दी थी। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित जीवन प्रमाणपत्र कार्यक्रम 17 नवंबर को मंदिर परिसर में निर्धारित किया गया था। यह पेंशन उद्देश्यों के लिए

जीवन प्रमाण पत्र जारी करने के लिए वाणिज्य दूतावास के कई शिविरों का हिस्सा था। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक खुफिया जानकारी के कारण कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।मंदिर के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि हमें ब्रैम्पटन त्रिवेणी मंदिर के भक्तों, सामुदायिक आगंतुकों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रद्द करने का उचित निर्णय लेना चाहिए। इसमें कहा गया है कि हमें गहरा दुख है कि कनाडाई अब कनाडा के हिंदू मंदिरों में आने में असुरक्षित महसूस करते हैं। मंदिर के अधिकारियों ने पील पुलिस को मंदिर के खिलाफ प्रसारित खतरों से निपटने और कनाडाई हिंदू समुदाय और आम जनता को सुरक्षा गारंटी प्रदान करने के लिए बुलाया। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शनकारी एक हिंदू सभा मंदिर में भक्तों से भिड़ गए और मंदिर अधिकारियों और ब्रैम्पटन में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा सह–आयोजित एक कार्यक्रम को बाधित कर दिया। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा अधिकारियों द्वारा अपने आयोजकों को न्यूनतम सुरक्षा संरक्षण प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त करने के बाद वह अपने कुछ निर्धारित कांसुलर शिविरों को रद्द कर रहा है।

भारत पर क्या बड़ा ऐलान करने वाला है फ्रांस ? कई देशों में हलचल

अभी तक भारत अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों को डिफेंस सॉफ्टवेयर या हथियारों के स्पेयर पार्ट्स बेचता था। मगर पहली बार फ्रांस जैसे देश को पूरा हथियार बेचने पर बात हो रही है। इस डील का भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट्स पर जबरदस्त असर पड़ सकता है। भारत के मित्र देश फ्रांस ने एक ऐसा दावा किया है जिसे सुनकर हरेक देशवासी खुशी से झूम उठेंगे। फ्रांस का दावा अगर सही है तो भारत पूरी दुनिया में तहलका मचा देगा। फ्रांस ने ऐलान किया है कि उसे भारत का मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर पिनारा पसंद आ गया है। फ्रांस ने कहा है कि वो पिनाका रॉकेट सिस्टम का मूल्यांकन कर रहा है। सबकुछ ठीक रहा तो फ्रांस भारत का पिनाका रॉकेट लॉन्चर सिस्टम खरीद सकता है। ये खबर इतनी बड़ी है कि देश विदेश सभी जगह इसकी चर्चा हो रही है। अगर ये डील हो गई तो फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का पहला परमानेंट मेंबर होगा जो पूरी तरह से भारत में बने खतरनाक हथियार को खरीदेगा। आपको बता दें कि पिनाका रॉकेट सिस्टम पूरी तरह से स्वदेशी है। ये शुरुआत से लेकर अंत तक भारत में ही बना है। ऐसे में फ्रांस पहला ताकतवर विकसित देश हो सकता है जिसके हाथों में पिनाका रॉकेट सिस्टम होगा। भगवान शिव के धनुष पिनाक के नाम पर भारत के देसी पिनाका का नाम रखा गया। एक ऐसा मिसाइल सिस्टम जो पलक झपकते दुश्मन को खाक कर देगा। 44 सेकेंड में 12 रॉकेट दागेगा जिसके बाद सिर्फ धुंआ ही धुंआ नजर आएगा। भारत में स्वदेशी तौर पर विकसित की गई पिनाका रॉकेट सिस्टम के तीन वैरिएंट हैं। एमके–1, एमके–2, एमके–3 और तीनों के अलग–अलग वैरिएंट हैं। इसकी अधिकतम रेंज 120 किलोमीटर तक है। पलक झपकते ही ये अपने साथ पूरे 72 रॉकेट दाग देता है। इसे डीआरडीओ ने तैयार किया है। पहले वेरिएंट एमके–1 का रेंज 45 किलोमीटर तक है। दूसरे वैरिएंट एमके–2 की रेंज 90 किलोमीटर तक है। तीसरे और सबसे एडवान्सड वेरिएंट एमके–3 का रेंज 120 किलोमीटर तक है। अभी तक भारत अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों को डिफेंस सॉफ्टवेयर या हथियारों के स्पेयर पार्ट्स बेचता था।

बिरसा मुंडा जयंती– आर्य अनार्य के झूठे विमर्श के अवसान का अवसर

भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जातियों की आकर्षक विविधता को विघ्नसंतोषी विघटनकारियों ने आर्य–अनार्य का वितंडा बना दिया। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि अनार्य का दर्जा दे दिये गए जनजातीय समाज के लोग। बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी थे, जनजातीय समाज को साथ लेकर उलगुलान किया था उन्होने। उलगुलान अर्थात हल्ला बोल, क्रांति का ही एक देशज नाम। वे एक महान संस्कृतिनिष्ठ समाज सुधारक भी थे, वे संगीतज्ञ भी थे जिन्होंने सूखे कद्दू से एक वाद्ध्ययंत्र का भी अविष्कार किया था जो अब भी बड़ा लोकप्रिय है। इसी वाद्ध्ययंत्र को बजाकर वे आत्मिक सुख प्राप्त करते थे व दलित, पीड़ित समाज को संगठित करने का कार्य भी करते थे। ठीक वैसे ही जैसे भगवान श्रीकृष्ण अपनी बंशी से स्वांतः सुख व समाज सुख दोनों ही साध लेते थे। सूखे कद्दू से बना यह वाद्ध्ययंत्र अब भी भारतीय संगीत जगत मे वनक्षेत्रों से लेकर बालीवूड तक बड़ी प्रमुखता से बनाया व बजाया जाता है। वस्तुतः बिरसा मुंडा की मूल कार्यशैली जनजातीय समाज को इसाइयों के धर्मांतरण से बचाने, अत्याचारों से समाज को बचाने, समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने व शोषक वर्ग से समाज को बचाने की रही। भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण व अविभाज्य अंग रहा है जनजातीय समाज। मूलतः प्रकृति पूजक यह समाज सदा से भौतिकता, आधुनिकता व धनसंचय से दूर ही रहा है। बिरसा मुंडा भी मूलतः इसी जनजातीय समाज के थे। "अबुआ दिशोम रे अबुआ राज" अर्थात अपनी धरती अपना राज का नारा दिया था वीर बिरसा मुंडा ने।वीर शिरोमणि बिरसा की जयंती के अवसर बिरसा के राष्ट्र हेतु प्राणोत्सर्ग करने की कहानी पढ़ने के साथ साथ यह भी स्मरण करने का अवसर है कि अब स्वतंत्र भारत मे अर्थात अबुआ दिशोम मे जनजातीय व वनवासी बंधुओं के साथ, उनकी संस्कृति के साथ क्या क्या षड्यंत्र हो रहे हैं?वस्तुतः जनजातीय समाज के समक्ष अब भी बड़ी चुनौतियाँ वैचारिक व सांस्कृतिक स्तर पर लगातार रखी जा रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है समूचे भारत मे फैलाया जा रहा आर्य व अनार्य का विघटनकारी वितंडा।तथ्य यह है कि भारत मे जनजातीय समाज व अन्य जातियों की आकर्षक विविधता को विघ्नसंतोषी विघटनकारियों ने आर्य–अनार्य का वितंडा बना दिया। कथित तौर पर आर्य कहे जाने वाले लोग भी भारत मे उतने ही प्राचीन हैं जितने कि अनार्य का दर्जा दे दिये गए जनजातीय समाज के लोग। वस्तुतः वनवासी समाज को अनार्य कहना ही एक अपशब्द की भांति है, क्योंकि आर्य का अर्थ होता है सभ्य व अनार्य का अर्थ होता है असभ्य। सच्चाई यह है कि भारत का यह वनवासी समाज पुरातन काल से ही सभ्यता, संस्कृति, कला, निर्माण, राजनीति, शासन व्यवस्था, उत्पादकता और सबसे बड़ी बात राष्ट्र व समाज को उपादेयता के विषय मे किसी भी शेष समाज के संग कदम से कदम मिलाकर चलता रहा है व अब भी चल रहा है। यह तो अब सर्वविदित ही है कि इस्लाम व ईसाइयत दोनों ही विस्तारवादी धर्म हैं व अपने विस्तार हेतु इन्होने अपने धर्म के परिष्कार, परिशोधन के स्थान पर षड्यन्त्र, कुतर्क, कुचक्र व हिंसा का ही उपयोग किया है। अपने इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु पश्चिमी विद्वानों ने भारतीय जातियो मे विभेद उत्पन्न करना उत्पन्न किया व द्रविड़ों को भारत का मूलनिवासी व आर्यों को बाहरी आक्रमणकारी कहना प्रारंभ किया। ईसाइयों ने अपने धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु इस प्रकार के षड्यन्त्र रचना सतत चालू रखे। विदेशियों ने ही भारत के इतिहास लेखन मे इस बात को दुराशय पूर्वक बोया कि आर्य विदेश से आई हुई एक जाति थी जिसने भारत के मूलनिवासी द्रविड़ समाज की सभ्यता को आक्रमण करके पहले नष्ट भ्रष्ट किया व उन्हे अपना गुलाम बनाया। जबकि यथार्थ है कि आर्य किसी जाति का नहीं बल्कि एक उपाधि का नाम था जो कि किसी विशिष्ट व्यक्ति को उसकी विशिष्ट योग्यताओं, अध्ययन या सिद्धि हेतु प्रदान की जाती थी। आर्य शब्द का सामान्य अर्थ होता है विशेष।

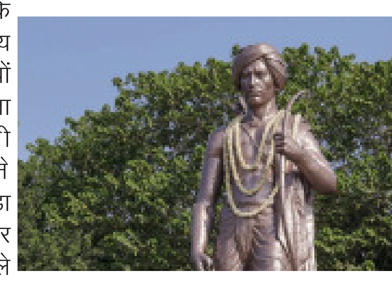

पहले अंग्रेजों ने व स्वातंर्त्योत्तर काल मे अंग्रेजों द्वारा लादी गई शिक्षा पद्धति ने भारत मे लगभग छः दशकों तक इसी दूषित, अशुद्ध व दुराशयपूर्ण इतिहास का पठन पाठन चालू रखा।भारत मे इसी दूषित शिक्षा पद्धति ने आर्यन इंवेजन थ्योरी की स्थापना की व सामाजिक विभेद के बीज लगातार बोये। जर्मनी में जन्में किंतु संस्कृत के ज्ञान के कारण अंग्रेजों द्वारा भारत बुलाये गए मेक्समूलर ने आर्यन इन्वेजन थ्योरी का अविष्कार किया। मेक्समूलर ने लिखा कि आर्य एक सुसंस्कृत, शिक्षित, बड़े विस्तृत धर्म ग्रन्थों वाली, स्वयं की लिपि व भाषा वाली घुमंतू किंतु समृद्ध जाति थी। इस प्रकार मैक्समूलर ने आर्य इंवेजन थ्योरी के सफेद झूठ का पौधा भारत मे बोया जिसे बाद मे अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने एक बड़ा वृक्ष बना दिया। यद्दिप बाद मे 1921 मे हड़प्पा व मोहनजोदाड़ो सभ्यता मिलने के बाद आर्यन थ्योरी को बड़ा धक्का लगा किंतु अंग्रेजों ने अपनी शिक्षा पद्धति, झूठे इतिहास लेखन व षड्यन्त्र के बल पर इस थ्योरी को जीवित रखा। सबसे बड़ी खेद की बात यह है कि अंग्रेजों के जाने के पश्चात भारत मे एक बड़ा वर्ग ऐसा जन्मा जो कहने को तो भारतीय संतति ही है किंतु उसकी मानसिकता भारत विरोधी है। यह वर्ग सेकुलर, नक्सलवादी, माओवादी, बुद्धिजीवी, प्रगतिशील, जनवादी, आदि आदि नामों से आपको यहाँ वहाँ समाज सेवा के नाम पर समाज व देश को तोड़ते हुये बड़ी सहजता से मिल जाएगा। सिंधु घाटी सभ्यता की श्रेष्ठता को छुपाने व आर्य द्रविड़ के मध्य विभाजन रेखा खींचने की यह कथा बहुत विस्तृत चली व अब भी इस कथित विघ्नसंतोषी वर्ग द्वारा चलाई जा रही है किंतु इन्हे हमारा समाज अब भी चिन्हित नहीं कर पाया है। आज सबसे महती आवश्यकता इस बात की है कि वनवासी समाज मे घुसपैठ कर रहे इस कालनेमी वर्ग को पहचानना और उनके देशविरोधी, समाज विरोधी चरित्र पर ढके हुये छदम आवरण को हटाना। इस विघ्नसंतोषी वर्ग की बातों को अलग कर यदि हम भारत के जनजातीय समाज व अन्य समाजों मे परस्पर एकरूपता की बात करें तो कई कई अकाट्य तथ्य सामने आते हैं। कथित तौर पर जिन्हे आर्य व द्रविड़ अलग अलग बताया गया उन दोनों का डीएनए परस्पर समान पाया गया है। दोनों ही शिव के उपासक हैं। प्रसिद्ध एन्थ्रोपोलाजिस्ट वारियर एलविन, जो कि अंग्रेजों के एडवाइजर थे, ने जनजातीय समाज पर किए अध्ययन मे बताया था कि ये कथित आर्य और द्रविड़ शैविज्म के ही एक भाग है और गोंडवाना के आराध्य शंभूशेक भगवान शंकर का ही रूप हैं। माता शबरी, निषादराज, सुग्रीव, अंगद, सुमेधा, जांबवंत, जटायु आदि आदि सभी जनजातीय बंधु भारत के शेष समाज के संग वैसे ही समरस थे जैसे दूध मे शक्कर समरस होती है। प्रमुख जनजाति गोंड व कोरकू भाषा का शब्द जोहारी रामचरितमानस के दोहा संख्या 320 में भी प्रयोग हुआ है। मेवाड़ में किया जाने वाला लोक नृत्य गवरी व वोरी भगवान शिव की देन है जो कि समूचे मेवाड़ी हिंदू समाज व जनजातीय समाज दोनों के द्वारा किया जाता है। बिरसा मुंडा, टंटया भील, रानी दुर्गावती, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, अमर शहीद बुधू भगत, जतरा भगत, लाखो बोदरा, तेलंगा खड़िया, सरदार विष्णु गोंड आदि आदि कितने ही ऐसे वीर जनजातीय बंधुओं के नाम हैं जिनने अपना सर्वस्व भारत देश की संस्कृति व हिंदुत्व की रक्षा

विदेश सचिव विक्रम मिस्री का कार्यकाल 2026 तक बढ़ा, इन पदों पर भी कर चुके हैं काम

15 जुलाई, 2024 को विदेश सचिव के रूप में कार्यभार संभालने वाले विक्रम मिस्री भारतीय विदेश सेवा के 1989 बैच के कैरियर राजनयिक हैं। एक सरकारी अधिकारी के रूप में अपने व्यापक कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न क्षमताओं में कार्य किया है। नई दिल्ली में अपने कार्यभार के दौरान, विशेष रूप से विदेश मंत्रालय में, उन्होंने पाकिस्तान डेस्क पर काम किया और पूर्व विदेश मंत्री आईके गुजराल और प्रणब मुखर्जी के स्टाफ का भी हिस्सा थे। केंद्र सरकार ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री का कार्यकाल बढ़ा दिया, जो इस साल 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। जारी एक अधिसूचना में केंद्र ने मिस्री की सेवाओं को 14 जुलाई, 2026 तक या अगले आदेश तक बढ़ाने की घोषणा की। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 नवंबर को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख से आगे 14 जुलाई, 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, एफआर के प्रावधानों के संदर्भ में विदेश सचिव के रूप में विक्रम मिस्री के विस्तार को मंजूरी दे दी। यह ध्यान रखना उचित है कि एफआर 56 (डी) के प्रावधान सार्वजनिक हित में सेवानिवृत्ति की तारीख से परे एक विदेश सचिव की सेवा के विस्तार की अनुमति देते हैं।15 जुलाई, 2024 को विदेश सचिव के रूप में कार्यभार संभालने वाले विक्रम मिस्री भारतीय विदेश सेवा के 1989 बैच के कैरियर राजनयिक हैं। एक सरकारी अधिकारी के रूप में अपने व्यापक कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न क्षमताओं में कार्य किया है। नई दिल्ली में

अपने कार्यभार के दौरान, विशेष रूप से विदेश मंत्रालय में, उन्होंने पाकिस्तान डेस्क पर काम किया और पूर्व विदेश मंत्री आईके गुजराल और प्रणब मुखर्जी के स्टाफ का भी हिस्सा थे। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव के रूप में भी काम किया है और भारत के तीन प्रधानमंत्रियोंरू आईके गुजराल, डॉ. मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी के अधीन उनके निजी सचिव के रूप में काम किया है। अपने विदेशी कार्यभार में राजदूत मिश्री ने ब्रुसेल्स, ट्यूनिस, इस्लामाबाद और वाशिंगटन डी.सी. में सेवा की है।

वह श्रीलंका में भारत के उप उच्चायुक्त और म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत भी थे।

लड़कियों को अनैतिक संबंधों से बचाने की कोशिश, 9 साल में शादी! इराक में महिलाओं को लेकर हैरान कर देने वाला फैसला

अगर ये कानून लागू हो जाता है तो लड़कियों की शादी 9 साल में की जा सकेगी। इराक के इस नए कानून की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। साथ ही महिला समूह इसे महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन बता रहे हैं और नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन का कहना है कि यह कदम इस्लामी कानून की सख्त व्याख्या के अनुरूप है और इसका उद्देश्य युवा लड़कियों को अनैतिक संबंधों से बचाना है। इराक में कानूनन ज्यादातर मामलों में शादी की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष निर्धारित की गई है। लेकिन, इराक की संसद विवादास्पद कानूनी बदलावों पर विचार कर रही है इराक में लड़कियो की शादी को लेकर एक नया कानून प्रस्तावित है। अगर ये कानून लागू हो जाता है तो लड़कियों की शादी 9 साल में की जा सकेगी। इराक के इस नए कानून की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। साथ ही महिला समूह इसे महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन बता रहे हैं और नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन का कहना है कि यह कदम इस्लामी कानून की सख्त व्याख्या के अनुरूप है और इसका उद्देश्य युवा लड़कियों को अनैतिक संबंधों से बचाना है।परिवर्तनों के लिए दबाव मुख्य रूप से धार्मिक नेताओं द्वारा समर्थित शक्तिशाली शिया मुस्लिम राजनीतिक गुटों से आता है, जिन्होंने पश्चिम द्वारा मुस्लिम–बहुल इराक पर अपने सांस्कृतिक मानदंडों को थोपने के खिलाफ तेजी से अभियान चलाया है। अप्रैल में, संसद ने स्ळठज्फ़ विरोधी एक कठोर कानून पारित किया। प्रस्तावित संशोधन इराकियों को विवाह सहित पारिवारिक कानून के मुद्दों पर धार्मिक अदालतों की ओर रुख करने की अनुमति देगा, जो वर्तमान में नागरिक अदालतों का एकमात्र क्षेत्र है। इससे मौलवियों को राष्ट्रीय कानूनों के विपरीत शरिया या इस्लामी कानून की अपनी व्याख्या के अनुसार शासन करने की अनुमति मिल जाएगी। कुछ मौलवी शरीयत की व्याख्या करते हुए इराक में कई शिया धार्मिक अधिकारियों द्वारा अपनाए जाने वाले इस्लामिक कानून के जाफरी स्कूल के तहत किशोरावस्था में या 9 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों की शादी की अनुमति देते हैं। 1959 में पारित इराक के व्यक्तिगत स्थिति कानून को मोटे तौर पर महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने वाला एक मजबूत आधार माना जाता है। इसने कानूनी विवाह की उम्र 18 वर्ष निर्धारित की है, हालांकि यह 15 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों को माता–पिता की सहमति और चिकित्सीय प्रमाण के साथ शादी करने की अनुमति देता है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

sheelshukla100@gmail.com

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, आईसीसी ने पीओके में चैम्पीयन 2025 का दौरा किया रद्द

बीसीसीआई ने आईसीसी को इस बात की जानकारी दी थी कि वह चौंपियंस ट्रॉफी के लिए किसी भी कीमत पर पाकिस्तान का दौरा नहीं करेंगे। तब से पात्किान आईसीसी से इसके पीछे का कारण मांग रहा है। जबकि बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला पहले ही दे दिया है। इसी बीच पाकिस्तान ने चौंपियंस ट्रॉफी के टूर का आयोजन किया था। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर पाकिस्तान को रोज नए–नए जख्म मिल रहे हैं। पहले तो भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करने से साफ मना कर दिया था। वहीं अब आईसीसी ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, पाकिस्तान ने चौंपियंस ट्रॉफी के टूर का आयोजन किया था। जो कि पीओके के तीन शहरों में जाने की बात की थी, लेकिन अब आईसीसी ने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया है कि चौंपियंस ट्रॉफी कोई भी विवादित स्थान पर नहीं जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से 14 नवंबर की शाम इस बात का ऐलान किया गया था कि चौंपियंस ट्रॉफी 14 नवंबर को इस्लामाबाद पहुंची। इसके बाद 16 नवंबर से 24 नवंबर तक ट्रॉफी को पूरे पाकिस्तान में ले जाया जाएगा। पीसीबी ने इस बात को लेकर अपने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी। जहां उन्होंने बताया है कि ट्रॉफी स्कार्दू, मरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे स्थानों पर जाएगी। इन चार स्थान में सिर्फ मरी पाकिस्तान का हिस्सा है। इसके अलावा तीन अन्य स्थान च्वा में आते हैं। जैसे ही पाकिस्तान ने इस बात का ऐलान किया वैसे ही बीसीसीआई ने आपत्ति जताई और आईसीसी ने इस पर तुरंत एक्शन लेते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इनकार कर दिया कि वह ट्रॉफी को किसी भी विवादित स्थान पर नहीं ले जा सकते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के इस हरकत ने भारत समेत टीम इंडिया के फैंस को और ज्यादा भड़का दिया है। लेकिन बीसीसीआई ने समय रहते आईसीसी ने इस बात की जानकारी दी और पाकिस्तान को ऐसा करने से रोका है। पीसीबी ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि तैयार हो जाओ पाकिस्तान। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का ट्रॉफी टूर 15 नवंबर को इस्लामाबाद में शुरु होगा, जिसमें स्कार्दू, मरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे दर्शनीय पर्यटन स्थालों का भी दौरा किया जाएगा। 16–24 नवंबर तक ओवल में सरफराज अहमद द्वारा 2017 में उठाई गई ट्रॉफी की एक झलक देखों। अब आईसीसी के एक्शन के बाद पाकिस्तान वेन्यू में बदलाव कर सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद क्रिकेट से विदा लेंगे साउदी

18 साल तक न्यूजीलैंड के लिये खेलना फख्र की बात रही लेकिन अब आगे बढने का समय है। यह शानदार सफर रहा और मैं इसमें कोई बदलाव नहीं चाहूंगा।'' इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा।न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी इंग्लैंड के खिलाफ दिसंबर में घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेंगे। न्यूजीलैंड के लिये सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में रिचर्ड हैडली (385) के बाद दूसरे स्थान पर काबिज साउदी ने कहा कि हैमिल्टन में घरेलू मैदान पर तीसरा टेस्ट उनका आखिरी होगा। भारत दौरे पर 3 . 0 से मिली जीत से पहले साउदी ने टॉम लैथम को टेस्ट कप्तानी सौंप दी थी। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिये सौ से अधिक टेस्ट, 161 वनडे और 126 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने कहा ,'' मैने बचपन से हमेशा न्यूजीलैंड के लिये खेलने का सपना देखा था।''उन्होंने कहा ,'' 18 साल तक न्यूजीलैंड के लिये खेलना फख्र की बात रही लेकिन अब आगे बढने का समय है। यह शानदार सफर रहा और मैं इसमें कोई बदलाव नहीं चाहूंगा।'' इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा। दूसरा टेस्ट वेलिंगटन में छह दिसंबर से और तीसरा हैमिल्टन में 14 दिसंबर से खेला जायेगा।

आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टी20 टीम में वापसी करना चाहते हैं राहुल

केएल राहुल भारत की तरफ से क्रिकेट के तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं उनका लक्ष्य आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी करना है। रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेल पाते हैं तो राहुल को पारी की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है।पर्थ । पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे केएल राहुल भारत की तरफ से क्रिकेट के तीनों प्रारूप में खेलना चाहते हैं उनका लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी करना है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेल पाते हैं तो राहुल को पारी की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है। भारतीय टीम के लिए राहुल की खराब फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है लेकिन यह 32 वर्षीय बल्लेबाज इसको लेकर चिंतित नहीं है। राहुल ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा,''मेरा लक्ष्य निश्चित तौर पर टी20 टीम में वापसी करना है। मैं तीनों प्रारूप में खेलना चाहता हूं और इतने वर्षों में इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। मैं भारत के लिए तीनों प्रारूप में खेलना चाहता हूं जैसा कि कई वर्षों से कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा,''मैं पिछले कुछ समय से टी20 टीम से बाहर हूं तथा मैं जानता हूं कि एक खिलाड़ी के रूप में मैं अभी किस स्तर पर हूं और मुझे वापसी करने के लिए क्या करना है। इसके लिए मैं आईपीएल के नए सत्र का इंतजार कर रहा हूं।'' राहुल ने 2022 से लेकर अब तक 12 टेस्ट मैच की 21 पारियों में केवल 514 रन बनाए और उनका औसत 25.7 रहा। इस बल्लेबाज ने हालांकि कहा कि वह व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बजाय टीम को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा,''खिलाड़ी होने के नाते हम सभी स्वच्छंद होकर खेलना चाहते हैं। मैं जिस तरह से बल्लेबाजी करता हूं उसका मैं पूरा आनंद लेता हूं। लेकिन मेरे लिए हमेशा टीम पहली प्राथमिकता रही है। यह मायने नहीं रखता कि मैं क्या कर रहा हूं और मेरा नैसर्गिक खेल क्या है।'' राहुल ने कहा,''हमारा खेल टीम से जुड़ा है। अगर मैं टेनिस खेलता तो स्थिति अलग होती और तब मैं कह सकता था कि यह मेरा नैसर्गिक खेल है।लेकिन टीम खेल में यह पूरी तरह से भिन्न होता है। इसमें प्रत्येक मैच में टीम के लिए योगदान देने के लिए आपको अलग तरह की भूमिका और जिम्मेदारी निभानी होती है।

अफगान महिलाओं की क्रिकेट में वापसी, तालिबान के राज में पहली बार खेलेंगी टी20 मैच

अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को आखिरकार एक साथ खेलने का मौका मिलेगा। जनवरी 2025 में मेलबर्न में एक प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया जाएगा। 30 जनवरी को जंक्शन ओवल में एक टी20 मैच में अफगानिस्तान की महिला ग्प का सामना क्रिकेट विदाउट बॉर्डर्स ग्प से होगा। ऑस्ट्रेलिया में रिफ्यूजी बन कर रहे रहीं अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को आखिरकार एक साथ खेलने का मौका मिलेगा। जनवरी 2025 में मेलबर्न में एक प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया जाएगा। 30 जनवरी को जंक्शन ओवल में एक टी20 मैच में अफगानिस्तान की महिला ग्प का सामना क्रिकेट विदाउट बॉर्डर्स ग्प से होगा। ये मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में महिलाओं के डे–नाइट एशेज टेस्ट के साथ होगा। महिला एशेज टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीम के बीच 30 जनवरी से 2 फरवरी तक खेला जाना है। ये पहला मौका होगा जब तालिबान का कब्जा होने पर अफगानिस्तान छोड़ने के बाद महिला टीम मैदान पर एक साथ नजर आएगी। अफगानिस्तान पर तालिबान का शासन होने के बाद से वहां की महिलाएं क्रिकेट खेलने के अधिकार से वंचित हो गई हैं। इस संबंध में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले की ओर से शुक्रवार को बयान जारी किया गया। बयान के हवाले से ब्तपबामज. बवउ.ंन ने लिखा कि, ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने के बाद से क्रिकेट और समुदाय के कई लोग अफगानिस्तान की महिला टीम के सदस्यों को समर्थन देने के लिए एक साथ आई हैं और ये मैच उनके प्रयासों का जश्न होगा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार अफगानिस्तान की महिला टीम की खिलाड़ियों के लिए अवसर बनाने में शामिल रही है। अफगानिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कैनबरा और मेलबर्न में रहती हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं के खेले खेलने पर तालिबान के प्रतिबंध का हवाला देते हुए ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम ने 2021 में आयोजित होने वाले एकमात्र टेस्ट को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था।

आस्ट्रेलिया में पर्थ टेस्ट से पहले केएल राहुल को लगी चोट, टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ी

केएल राहुल को शुक्रवार 15 नवंबर 2024 को वाका मैदान पर भारत के इंट्रा–स्क्वॉड मैच सिमुलेशन के दौरान दाहिनी कोहनी में चोट लग गई। इसके बाद उन्हें रिटायरहर्ट होना पड़ा। चोट की गंभीरता का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है, लेकिन उन्हें स्कैन के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा था। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत के लिए बुरी खबर है। दरअसल, केएल राहुल को शुक्रवार 15 नवंबर 2024 को वाका मैदान पर भारत के इंट्रा–स्क्वॉड मैच सिमुलेशन के दौरान दाहिनी कोहनी में चोट लग गई। इसके बाद उन्हें रिटायरहर्ट होना पड़ा। चोट की गंभीरता का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है, लेकिन उन्हें स्कैन के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इससे 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व भारतीय खेमे में चिंता बढ़ गई है। इंस्ट्रा स्क्वॉड मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने ओपनिंग की थी। जो इस बात के संकेत हैं कि रोहित शर्मा अगर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में नहीं खेलते हैं तो 32 साल के केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल पर्थ में ओपनिंग करेंगे। केएल राहुल 29 रन बनाकर खेले रहे थे। वह शॉर्ट बॉल को भी अच्छे से संभाल रहे थे, तभी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की एक उठती हुई गेंद से उनकी दाहिनी कोहनी चोटिल हो गई। चोट के बाद केएल राहुल काफी दर्द में दिखे। टीम फिजियो से सलाह लेने के बाद केएल राहुल को मैदान छोड़कर जाना पड़ा। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से पीटीआई ने लिखा कि, केएल राहुल के बारे में... ये अभी हुआ है इसलिए उनकी कोहनी की चोट का आकलन करने में कुछ समय लगेगा। केएल राहुल टेस्ट में वापसी की कोशिश में जुटे हैं। पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु मैच के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन में नहीं चुना गया था। बेंगलुरु के इस खिलाड़ी ने अनपा आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2023 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। तब से उन्होंने 9 पारियों में सिर्फ दो फिफ्टी बनाई।

जोहानिसबर्ग में साउथ अफ्रीका को हराकर सीरीज जीतना चाहेगा भारत, जानें पिच और मौसम रिपोर्ट

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है, इसमें से दो मैचों में भारत बल्कि एक में मेजबान साउथ अफ्रीका टीम को जीत मिली है। वहीं अब दोनों के बीच आखिरी और निर्णायक मैच खेला जाएगा, जिसे भारतीय टीम जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। वहीं मेजबान टीम भी इस मैच को जीतकर सीरीज को 2–2 से बराबर करना चाहेगी।मौजूदा समय में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है, इसमें से दो मैचों में भारत बल्कि एक में मेजबान साउथ अफ्रीका टीम को जीत मिली है। वहीं अब दोनों के बीच आखिरी और निर्णायक मैच खेला जाएगा, जिसे भारतीय टीम जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। वहीं मेजबान टीम भी इस मैच को जीतकर सीरीज को 2–2 से बराबर करना चाहेगी। हालांकि, भारत के लिए चिंता कप्तान सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को लेकर होगी। सूर्या ने अभी तक इस सीरीज में कोई बड़ी पारी नहीं खेली है। जबकि सीरीज के पहले ही मैच में शतक लगाने वाले संजू पिछले दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाए थे। वह मार्को येनसेन के खिलाफ कुछ कमाल दिखाने की कोशिश जरूर करेंगे। जोहानिसबर्ग की पिच रिपोर्टशुक्रवार 15 नवंबर को जोहानिसबर्ग के वान्डर्स स्टेडियम की पिच की बात करें तो, इस मैदान का इतिहास रहा है कि यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग कही जाती है। यहां टी20 क्रिकेट में ज्यादातर मौकों पर बड़े–बडेध स्कोर देखने को मिलते हैं यहां का औसत स्कोर 171 रन है। आंकड़ेवहीं यहां टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना ही पसंद करेगी क्योंकि यहां अब तक खेले 26टी20 मैचों में 13 बार पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली है। जबकि इतनी ही बार बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली है। स्पिनर्स के लिए भी इस पिच पर मौकों से इनकार नहीं किया जा सकता। आखिरी बार जब भारतीय टीम इस मैदान पर खेली थी तब कुलदीप यादव ने यहां 5 विकेट

मेडिसिन बाल टास एक्सरसाइज के जरिए बढ़ेगी ताकत, जानिए इससे जुड़ी अहम जानकारी

मेडिसिन बॉल टॉस एक असरदार एक्सरसाइज है, जो ताकत और फुर्ती बढ़ाने में मदद करती है। यह एक्सरसाइज खिलाड़ियों और फिटनेस प्रेमियों के बीच लोकप्रिय है, क्योंकि यह पूरे शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करती है।मेडिसिन बॉल का उपयोग करके की जाने वाली एक्सरसाइज से न केवल ताकत बढ़ती है, बल्कि संतुलन भी बेहतर होता है।इसके नियमित अभ्यास से शरीर की सहनशक्ति भी बढ़ती है, जिससे आप अन्य शारीरिक गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

सही तकनीक अपनाएं

मेडिसिन बॉल टॉस करते समय सही तकनीक का पालन करना बहुत जरूरी होता है। सबसे पहले, अपने पैरों को कंधों की चौड़ाई पर रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़ें।अब मेडिसिन बॉल को दोनों हाथों से पकड़ें और अपने शरीर के पास रखें। फिर, अपनी कमर से झुकते हुए गेंद को ऊपर की ओर फेंके।इसके दौरान ध्यान दें कि आपकी पीठ सीधी रहे और फेंकते समय आपके कंधे और हाथ पूरी तरह से समन्वित रहें।जानें मेडिसिन बॉल टॉस के विभिन्न प्रकार

मेडिसिन बॉल टॉस के कई प्रकार होते हैं, जिन्हें आप अपनी जरूरतों के अनुसार चुन सकते हैं। फ्रंटल टॉस में गेंद को सामने की ओर फेंका जाता है, जबकि साइडल टॉस में इसे बगल में फेंका जाता है।ओवरहेड टॉस में गेंद को सिर के ऊपर से फेंका जाता है, जिससे ऊपरी शरीर की मांसपेशियों पर अधिक जोर पड़ता है।इन अलग–अलग प्रकारों का अभ्यास करने से आपकी ताकत में बढ़ोतरी आ सकती है।जल्द परिणाम पाने के लिए नियमित रूप से करें यह एक्सरसाइजमेडिसिन बॉल टॉस का पूरा लाभ उठाने के लिए इसे नियमित रूप से करना जरूरी है। सप्ताह में कम से कम 3 बार इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।हर सत्र में 10–15 मिनट तक मेडिसिन बॉल टॉस करें, ताकि आपकी मांसपेशियां मजबूत हो सकें और आपका संतुलन बेहतर हो सके।इसके अलावा, इस एक्सरसाइज से आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ सकती है और इसके नियमित अभ्यास से आपको जल्द फायदे महसूस हो सकते हैं।अभ्यास के दौरान सुरक्षा का रखें ध्यानमेडिसिन बॉल टॉस करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना बहुत अहम होता है। सुनिश्चित करें कि आप एक सुरक्षित स्थान पर खड़े हों, जहां कोई बाधा न हो।अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कर रहे हैं, तो हल्की वजन वाली मेडिसिन बॉल का उपयोग करें, ताकि चोट लगने का खतरा कम हो सके।इस तरह, मेडिसिन बॉल टॉस शक्ति बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है।

क्या दूध पीने से कम हो जाती है एसिडिटी आइए मिलकर जानें इस मिथक की सच्चाई

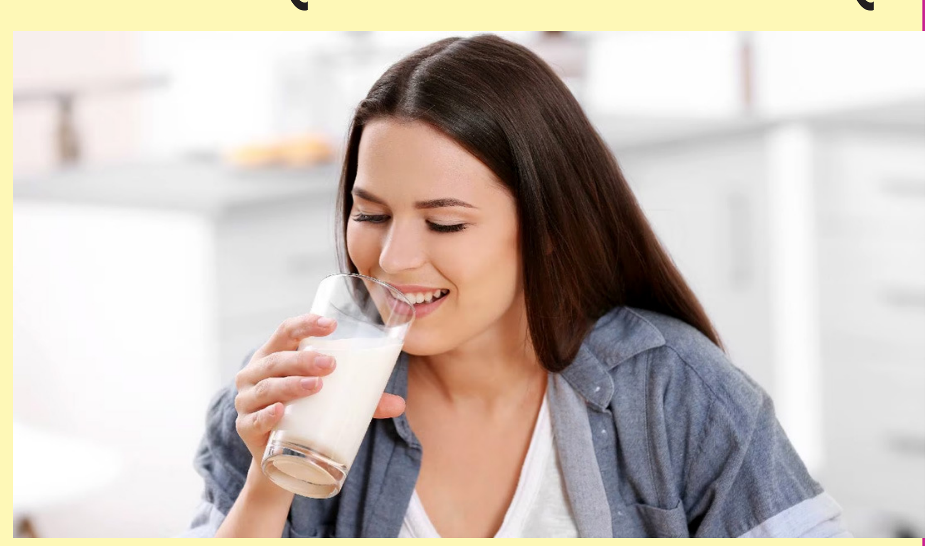

दूध को अक्सर एसिडिटी के इलाज के रूप में देखा जाता है। कई लोग मानते हैं कि दूध पीने से पेट की जलन और एसिडिटी कम होती है।इसमें मौजूद कैल्शियम और प्रोटीन पेट को अस्थायी रूप से राहत देते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो दूध का तात्कालिक प्रभाव होता है, लेकिन लंबे समय तक इसका असर नहीं रहता।आइए इस मिथक को समझें और जानें कि क्या दूध वास्तव में एसिडिटी कम करने में मदद करता है।

क्या दूध से वाकई में होता है एसिडिटी का इलाज

दूध पीने पर तुरंत राहत मिलती है, क्योंकि यह पेट को ठंडक पहुंचाकरअस्थायी रूप से जलन को कम करता है। यह राहत केवल कुछ समय के लिए होती है, लेकिन बाद में समस्या बढ़ सकती है।दूध में कैल्शियम और प्रोटीन होते हैं, जो पेट में एसिड उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। इससे एसिडिटी की समस्या फिर से उत्पन्न हो सकती है।इसलिए, दूध पीना एसिडिटी का स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता।जानिए एसिडिटी का सही समाधान एसिडिटी का सही समाधान संतुलित डाइट और जीवनशैली हो सकते हैं। आपको मसालेदार और तली–भुनी चीजों से बचना चाहिए और कम भोजन करना चाहिए, ताकि पेट पर दबाव न पड़े।इसके अलावा, नियमित एक्सरसाइज और पानी पीना भी फायदेमंद होता है। खाने के बाद तुरंत लेटने से बचें और सोने से पहले हल्का भोजन करें।ताजे फल, सब्जियां और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाना भी लाभकारी हो सकता है। इससे एसिडिटी की समस्या को कम किया जा सकता है।

डॉक्टर की सलाह लेंअगर आपको बार–बार एसिडिटी की समस्या होती है तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी हो सकता है। वे आपकी स्थिति के अनुसार उचित उपचार बता सकते हैं, जो आपकी समस्या को कम कर सकता है।इस प्रकार, दूध पीकर एसिडिटी कम करने का मिथक पूरी तरह सही नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा कि आप संतुलित डाइट अपनाएं और स्वस्थ जीवनशैली जीएं, ताकि आपको इस समस्या से निजात मिल सके।दूध के सेवन के मुख्य लाभअगर आप अपने रोजाना के खान–पान में दूध शामिल करते हैं, तो आपको कैल्शियम मिल सकता है। इसके सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं, रक्तचाप सुधरता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।इसके अलावा, इससे पाचन स्वास्थ्य भी दुरुस्त हो जाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से निजात मिल सकता है।

रिलीज से पहले पुष्पा 2 ने तोड़ा रिकार्ड, यूएसए में प्री सेल में छप्पर फाड़ कमाई, धड़ाधड़ बिक रहीं टिकटें

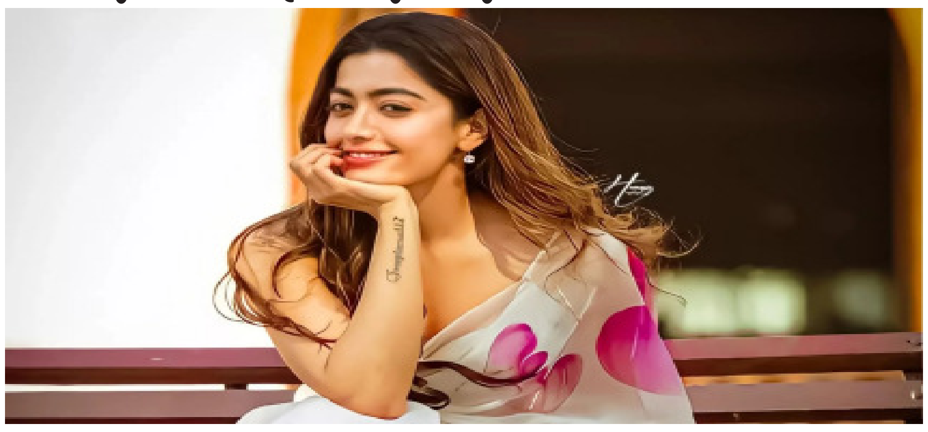

पुष्पा 2 द रूल दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. मेकर्स ने एक हफ्ते पहले यूएसए में फिल्म की एडवांस बुकिंग की सुविधा की. एक हफ्ते के बाद फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ प्री सेलिंग की है. फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने के लिए फिल्म की टिकटे धड़ाधड़ बिक रही हैं. मेकर्स ने यूएसए में चल रही पुष्पा 2 की एडवांस बुकिंग के बारे में अपडेट साझा किया है. इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है. मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से पुष्पाराज का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, यह अब पुष्पा राज का राज्य है. पुष्पा 2 द रूल ने रिकॉर्ड तोड़ 750 हजार से ज्यादा यूएसए प्रीमियर प्री सेल्स और 27 हजार से ज्यादा टिकट बिकने के साथ बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है. 21 दिन रहते हुए अब तक का सबसे तेज.मेकर्स ने फैंस को फिल्म से जुड़ा एक और अपडेट साझा किया है. मेकर्स ने फिल्म से पोस्टर साझा करते हुए लिखा है, पुष्पा 2 द रूल ट्रेलर लॉन्च इवेंट 17 नवंबर को गांधी मैदान पटना में शाम 5 बजे से शुरू होगा. कुछ दिन पहले मेकर्स ने पुष्पा 2 के ट्रेलर के बारे में जानकारी साझा की. उन्होंने बताया कि फिल्म का ट्रेलर 17 नवंबर को शाम 6.03 बजे पटना में होगा.मेकर्स को पुष्पा 2 के लिए बड़े लेवल की तैयारी कर रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रमोशन के लिए कई बड़े शहरों का चुनाव किया है. उन शहरों के नाम है– पटना, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, बैंग्लोर और कोच्चि. इसकी शुरुआत 17 नवंबर को पटना से होगा.बीते बुधवार को पुष्पा 2 की हीरोइन रश्मिका मंदाना ने पुष्पा 2 की डबिंग के बारे में अपडेट दी. उन्होंने डबिंग स्टूडियो से अपनी तस्वीरें शेयर की और बताया कि उन्होंने पुष्पा 2 का फर्स्ट हाफ की डबिंग पूरी कर ली है.रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्टूडियो के अंदर से अपनी तस्वीर पोस्ट की है और कैप्शन में फिल्म और डबिंग के बारे में लिखा है. उन्होंने लिखा है, अब जब मस्ती और मजाक खत्म, तो चलिए काम पर लग जाते हैं. मीनिंग– 1– पुष्पा की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है. 2– पुष्पा द रूल– फर्स्ट हाफ की डबिंग खत्म हो चुकी है. 3–1 बजे दूसरे हाफ की डबिंग, हे भगवान. फिल्म का फर्स्ट हाफ पहले से ही कमाल का है और दूसरा हाफ तो और भी कमाल का है. मेरे पास शब्द कम पड़ गए हैं.

आप लोग वाकई एक बेहतरीन अनुभव के लिए तैयार हैं. मैं इंतजार नहीं कर सकती. यह चेहरा शूटिंग के खत्म होने के बाद का है.पुष्पा 2 5 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, सौरभ सचदेवा, ब्रह्मा और फहाद फासिल स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 को सुकुमार ने डायरेक्ट किया है.

प्राइम वीडियो पर 22 नवंबर को होगा वैक गर्ल्स वर्ल्डवाइड प्रीमियर, हुआ ऐलान

भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपनी ओरिजिनल ड्रामा सीरीज श्वैक गर्ल्सय के प्रीमियर की तारीख की घोषणा की है. पद्मश्री पुरस्कार विजेता सूनी तारापोरेवाला ने इस सीरीज का निर्माण एवं निर्देशन किया है जिसे सूनी, इयाना बातिवाला और रॉनी सेन ने साथ मिलकर लिखा है. इस सीरीज को मैटर एंटरटेनमेंट, चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट और जिगरी दोस्त प्रोडक्शंस के बैनर तले केलब फ्रैंकलिन, विकेश भूटानी और सूनी तारापोरवाला ने प्रोड्यूस किया है.कॉमेडी, ड्रामा, डांस और म्यूजिक से भरपूर इस सीरीज में मेखोला बोस, अनसुआ चौधरी, रिताशा राठौर, क्रिसन परेरा, प्रियम साहा, रूबी साह, अचिंत्य बोस जैसे बेहद होनहार और उभरते कलाकारों के साथ–साथ बरुन चंदा, लिलेट दुबे और स्वर्गीय नितेश पांडे जैसे दिग्गज कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं. 9 एपिसोड वाली ये ड्रामा सीरीज भारत के साथ–साथ दुनिया भर के 240 से अधिक देशों एवं क्षेत्रों में 22 नवंबर को सिर्फ प्राइम वीडियो पर हिंदी में प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसे तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी डब किया गया है. चहल–पहल भरे कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज में बेबाक अंदाज वाली 6 युवतियों की कहानी दिखाई गई है, जो ऐसे शहर और देश में अपना एक डांस ग्रुप बनाती हैं, जहां उनकी पसंद के इस डांस स्टाइल, यानी वैकिंग के बारे में लोग बहुत कम जानते हैं. ये लड़कियां साथ मिलकर वैक गर्ल्स नाम से एक डांस ग्रुप बनाती हैं और सुर्खियों में छा जाती हैं.वैकिंग की जानकार और ग्रुप की कोरियोग्राफर, इशानी (मेखोला बोस द्वारा निभाया गया किरदार) इस ग्रुप की लीडर हैं, जबकि उत्साह से भरी और निडर स्वभाव की लोपा (रिताशा राठौर द्वारा निभाया गया किरदार) इस ग्रुप की मैनेजर हैं. इस सीरीज में डांस फ्लोर पर और उसके बाहर उनके साहसिक कारनामों को दिखाया गया है, जो अपनी निजी जिंदगी की चुनौतियों, परिवार के अरमानों, समाज के कायदों का सामना करती हैं.प्राइम वीडियो, इंडिया के हेड ऑफ ऑरिजिनल्स, निखिल मधोक ने कहा, हमें इस बात की खुशी है कि हम बेहद अनुभवी फिल्ममेकर, सूनी तारापोरेवाला के साथ मिलकर वैक गर्ल्स को दर्शकों के सामने पेश करने वाले हैं. पहली नजर में ये डांस से बेहद लगाव रखने वाली लड़कियों की कहानी लगती है, लेकिन गहराई से देखने पर पता चलता है कि श्वैक गर्ल्सय दुनिया के ऐसे हर इंसान को हौसला देने वाली कहानी है जो सपने देखने की हिम्मत रखते हैं. हमें लगता है कि 22 नवंबर को जब इस कहानी का वर्ल्डवाइड प्रीमियर होगा, तो यह दुनिया भर के दर्शकों, खासकर युवाओं को बेहद पसंद आएगी.. सूनी तारापोरेवाला ने अपनी भावनाओं को जाहिर करते हुए कहा कि, मैंने पहली बार मेखोला बोस को डांस करते हुए देखा और उसी वक्त से मैं वैकिंग पर फिदा हो गई, जबकि इससे पहले तक मुझे ये भी मालूम नहीं था कि इसे क्या कहते हैं. ये कहानी भी उन्हीं से प्रेरित है जो लीक से हटकर होने के साथ–साथ बेहद मजेदार भी है, और वैक गर्ल्स को दुनिया के सामने पेश करने को लेकर मेरी खुशियां सातवें आसमान पर हैं. लेकिन ये किसी सामान्य डांस शो की तरह नहीं है. सभी 6 लड़कियों की शख्सियत बिल्कुल अलग है, जिनमें से हर एक की अपनी–अपनी समस्याएं हैं जो दर्शकों को पसंद आएंगी, और वो किसी–न–किसी किरदार से जुड़ाव महसूस करेंगे. उन्होंने आगे कहा कि, श्लेकिन इन सभी लड़कियों में एक समानता है वे सभी पुराने तौर–तरीकों को चुनौती देने वाली और निडर स्वभाव की हैं, जो अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं और कड़ी मेहनत से अपना मुकाम बनाती हैं. मैं प्राइम वीडियो, इस शो में साथ मिलकर काम करने वाली बेमिसाल टीम और अपने प्रदर्शन से हैरत में डाल देने वाली इन सभी लड़कियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से मेरे सपने को साकार किया है. अब मुझे दर्शकों के साथ डांस करने का बेसब्री से इंतजार है..मैटर एंटरटेनमेंट के संस्थापक, केलब फ्रैंकलिन ने कहा, जब सूनी ने पहली बार हमें वैक गर्ल्स के बारे में बताया, तो उनका ये विचार हमें यह बेहद पसंद आया. एक ऐसा शो बनाने का मौका पाकर हम बेहद उत्साहित थे, जिसमें हालातों को बदलने में डांस की ताकत और इंसानी जज्बे की जीत को बखूबी दिखाया गया है. इस शो ने हमें इन महान कलाकारों को सक्षम बनाने का बेहतरीन अवसर दिया है, जिन्होंने सही मायने में ग्लोबल प्लेटफॉर्म के साथ वैकिंग की कला में महारत हासिल की है. चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के संस्थापक, विकेश भूटानी ने कहा, वैक गर्ल्स की कहानी सचमुच बेहद शानदार है, जिसे उम्दा कहानियों को पर्दे पर उतारने के लिए सच्ची लगन से काम करने वाली बेमिसाल टीम ने साथ मिलकर तैयार किया है. यह शो महज एक डांस ड्रामा से कहीं बढ़कर है, जो सूनी के विजन की वजह से ही संभव हो पाया है. ये एक इंसान की उम्मीदों, उसके अरमानों और खुद की पहचान को गहराई से बयां करने वाली कहानी है, जिसमें उन्हें जिंदगी के उतार–चढ़ाव से गुजरते हुए दिखाया गया है. हम सभी का मन मोह लेने वाली एक ऐसी कहानी पेश करना चाहते हैं, जो हमारे भारतीय दर्शकों को पसंद आने के साथ–साथ पूरी दुनिया के दर्शकों को भी लुभाए. हमें खुशी है कि प्राइम वीडियो के जरिये श्वैक गर्ल्सय की ये कहानी दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शकों तक पहुंचेगी.

रूह बाबा के आगे नहीं टिक पाए बाजीराव सिंघम, 13वें दिन भी भूल भुलैया 3 का पलड़ा रहा भारी

इस दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरो में अजय देवगन स्टारर सिंघम अगे और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का क्लैश हुआ था. दोनों ही फिल्में अलग जॉनर की हैं और इनका काफी हाईप बना हुआ था. वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद दोनों फिल्मों ने धमाका किया और शानदार ओपनिंग की. हालांकि भूल भुलैया 3 का पहले दिन का कलेक्शन सिंघम अगेन से कम था लेकिन कार्तिक की फिल्म ने धीरे–धीरे स्पीड पकड़ ली और पिछले कुछ दिनों में इसके कारोबार में बढ़ोतरी देखी गई है. पिछले कई दिनों से भूल भुलैया 3 कलेक्शन के मामले में इसे सिंघम अगेन पर बढ़त बनाए हुए हैं लेकिन जब कुल नंबर्स की बात आती है, तो अजय देवगन स्टारर फिल्म आगे है. बावजूद इसके भूल भुलैया 3 अपना बजट वसूल कर चुकी है और अब सिर्फ मुनाफा ही कमा रही है. चलिए यहां जानते हैं इस हॉरर कॉमेडी ने रिलीज के 13वें दिन कितना कलेक्शन किया हैभूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन ने एक बार फिर रूह बाबा के किरदार में दर्शकों का दिल जीत लिया है. ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब रही है. इसी के साथ फिल्म जमकर कमाई भी कर रही है. यहां तक कि रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी भूल भुलैया 3 टिकट खिड़की पर मजबूत स्थिति में दिख रही है और दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है.

अनीस बज्मी निर्देशित इस फिल्म की कमाई की बात करें तो भूल भुलैया 3 ने पहले हफ्ते में 158.25 करोड़ की कमाई की थी. फिर दूसरे फ्राइडे फिल्म ने 9.25 करोड़, दूसरे शनिवार 15. 5 करोड़, दूसरे रविवार 16 करोड़, दूसरे सोमवार 5 करोड़ और दूसरे मंगलवार 4.25 करोड़ की कमाई की. वहीं अब फिल्म की रिलीज के दूसरे बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक भूल भुलैया 3 ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को 3.85 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ भूल भुलैया 3 की 13 दिनों की कुल कमाई अब 212.10 करोड़ रुपये हो गई है.पहले मुंबई को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में श्भूल भुलैया 3य को सिंघम अगेन पर बढ़त हासिल थी लेकिन अब मुंबई और पुणे जैसे इलाकों में भी कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित स्टारर फिल्म अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो गई हैं. गौरतलब है कि भूल भुलैया 2 का लाइफटाइम कलेक्शन लगभग 180 करोड़ रुपये था, जिसे श्भूल भुलैया 3य 3 पहले ही पार कर चुकी है. इसलिए, इसका प्रदर्शन शानदार है और इन दोनों फिल्मों के बजट के कारण इसे सिंघम अगेन से बेहतर माना जा रहा है.वहीं श्भूल भुलैया 3य कई दिग्गजों के लिए प्रेरणा बन रही है और यह पहले संजू जैसी कमाई करने वाली फिल्मों को चुनौती दे रही है. यह कार्तिक की पहली फिल्म है जो 200 करोड़ क्लब में शामिल हुई है. इन सबके बीच बता दें कि इस गुरुवार को सिनेमाघरों में सूर्या और बॉबी देओल स्टारर कंगुवा रिलीज हो रही है. ऐसे में देखने वाल बात होगी कि कंगुवा के आगे श्भूल भुलैया 3य कितना कारोबार कर पाती है.

हालीवुड में पदार्पण करने पूरी तरह तैयार हैं सौंदर्या शर्मा

अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा जॉन विक श्रृंखला के निर्देशक चौड स्टेल्स्की के साथ हॉलीवुड में पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाउसफुल 5 की अभिनेत्री बेहद रोमांचित हैं। अपने बड़े डेब्यू के बारे में बात करते हुए सौंदर्या ने कहा, मैं बेहद रोमांचित हूं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि सपने देखते रहो, सपने सच होते हैं। 2024 बेहद खास है – इसकी शुरुआत हाउसफुल 5 से हुई, जिसका सारा श्रेय एनजीई और मेरी गॉडसिस्टर वर्दा नाडियाडवाला को जाता है और अब मैं हॉलीवुड में अपना रास्ता बनाने की कोशिश कर रही हूं, जिसका मुझे वाकई बेसब्री से इंतजार है। मैंने इसी प्रोजेक्ट के लिए लगभग एक साल पहले कुछ सीक्वेंस शूट किए थे, लेकिन मैं इसके पूरा होने तक ज्यादा बात नहीं करना चाहती क्योंकि मैं इसे लेकर अंधविश्वासी हूं।

उन्होंने कहा, मैं जनवरी में लॉस एंजिल्स और फ्रांस में अपना आखिरी शेड्यूल पूरा करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इस साल अपने हाउसफुल 5 शेड्यूल से पहले इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग की है। एनडीए के कारण, मैं इस परियोजना के बारे में और अधिक जानकारी साझा नहीं कर सकती, लेकिन मैं जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार इसे साझा करूंगी।

बिग बॉस 16 की पूर्व प्रतियोगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर निर्देशक चौड स्टेल्स्की के साथ तस्वीरें भी साझा कीं, कैप्शन में लिखा, आखिरकार, मुझे ये पोस्ट करने को मिला!!! जैसा कि वे कहते हैं, सपने देखो, सपने सच होते हैं। अभिव्यक्तियाँ काम करती हैं!

पीएसरू जनवरी में कुछ रोमांचक के लिए लॉस एंजिल्स में वापस जाने का इंतजार नहीं कर सकती। भगवान दयालु हैं! हॉलीवुड बुला रहा है।

अमेरिकी स्टंटमैन और फिल्म निर्माता स्टेल्स्की को एटॉमिक ब्लोंड और कई अन्य परियोजनाओं के लिए जाना जाता है। उन्हें ट्रांसफॉर्मर्स, द मैट्रिक्स, सेरेनिटी, एक्स–मेन ऑरिजिंसरू वूल्वरिन, द एक्सपेंडेबल्स, जी. आई. जोरू रिटैलिएशन, इमॉर्टल्स और कई अन्य बड़ी हॉलीवुड फिल्मों जैसी सफल परियोजनाओं के पीछे मुख्य स्टंटमैन के रूप में भी जाना जाता है।

इस बीच, सौंदर्या को अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल 5 में भी भूमिका मिली है। दंत चिकित्सक से अभिनेत्री बनी सौंदर्या तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी में मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म में डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा भी हैं। हाउसफुल 5 जून 2025 में रिलीज होने वाली है। शर्मा सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 16 में आने के बाद मशहूर हुए।

सिंघम अगेन की दहाड़, बनीं अजय की वर्ल्डवाइड 300 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली चौथी फिल्म

डायरेक्टर रोहित शेट्टी और अजय देवगन की सिंघम अगेन ने वर्ल्डवाइड नए रिकॉर्ड बना लिए हैं. फिल्म वर्ल्डवाइड 300 करोड़ क्लब में एंटर करने वाली 2024 की तीसरी बॉलीवुड मूवी बन गई है. फिल्म ने सेकंड वीकेंड में नए माइलस्टोन हिट कर लिए हैं.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंघम अगेन ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 248 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. वहीं ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 65 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. इस हिसाब ने फिल्म का 313 करोड़ का बिजनेस हो गया है. फाइटर और स्त्री 2 के बाद सिंघम अगेन ये अचीवमेंट पाने वाली तीसरी फिल्म है.

वहीं सिंघम अगेन अजय देवगन की चौथी 300 करोड़ कमाने वाली फिल्म है. इससे पहले तानाजीरू द अनसंग वारियर, दृश्यम 2 और गोलमाल अगेन ने 300 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी. इसके अलावा उनकी आरआरआर भी इस लिस्ट में शामिल है. लेकिन उस फिल्म में वो लीड रोल में नहीं थे.इसके अलावा सिंघम अगेन करीना कपूर की बजरंगी भाईजान, 3 इडियट्स और गुड न्यूज के बाद चौथी 300 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली फिल्म है. वहीं रोहित शेट्टी के लिए, ये चेन्नई एक्सप्रेस, सिंबा, दिलवाले और गोलमाल अगेन के बाद 300 करोड़ के बॉक्स ऑफिस क्लब में एंटर करने वाली पांचवी फिल्म है.बता दें कि सिंघम अगेन में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर खान फीमेल लीड में नजर आई थीं. वो अजय की पत्नी के रोल में थीं. इसके अलावा फिल्म में टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह भी अहम रोल में थे. अर्जुन कपूर फिल्म में विलेन के रोल में नजर आए. अर्जुन के रोल को काफी पसंद किया था.

प्रतीक गांधी–दिव्येंदू की फिल्म अग्नि का धांसू टीजर आउट, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

प्रीतक गांधी और दिव्येंदु की फायर ब्रिगेड पर बनी फिल्म अग्नि का टीजर रिलीज हो गया है. इसमें फायर ब्रिगेड के संघर्षों, त्याग और बलिदान को दिखाया गया है. टीजर में देखा जा सकता है कि एक शहर आग की लपटों से घिरा हुआ है. जिसे विञ्ल ख्प्रतीक गांधी, और समित खदिव्येंदु, एक तेजतर्रार पुलिसकर्मी के रोल में हैं और आग फैलने की वजह से फायर ब्रिगेड का हिस्सा बनते हैं. आग की लपटों के बीच विञ्ल की इमोशनल यात्रा भी दिखाई जाती है जो उसकी आस–पास दुनिया और परिवार से सम्मान की लड़ाई है. साथ ही फायर ब्रिगेड की अडिग भावना जो दूसरों की रक्षा के लिए अपना सबकुछ जोखिम में डाल देते हैं. बता दें अग्नि देश की पहली फिल्म है जो फायर ब्रिगेड पर बनी है. अग्निशामकों पर भारत की पहली फिल्म होने के नाते, अग्नि अग्निशामकों की निडर भावना, सम्मान और बलिदान को एक सिनेमाई सलाम है. यह प्राइम वीडियो ऑरिजनल फिल्म है, जिसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाया गया है. प्राइम वीडियो इंडिया के कंटेंट लाइसेंसिंग डायरेक्टर मनीष मेघानी ने बताया, हम अग्नि के रुप में एक इंस्पिरेशनल स्टोरी लेकर आए हैं इसे लेकर हम बहुत खुश और एक्साइटेड हैं. फिल्म साहस, एकता और धैर्य को एक साथ जोड़ती है. यह फायरफाइटर्स के जीवन पर बनी बेहतरीन फिल्म है जो उनकी जिंदगी और मौत के बीच आने वाले संघर्षों को दर्शाती है. यह उन जांबाजों की कहानी है जो न केवल आग के खिलाफ लड़ते हैं बल्कि अपनी पर्सनल लड़ाईयों से भी दिल जीत लेते हैं.एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित अग्नि में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु लीड रोल में हैं. वहीं सैयामी खेर, साईं ताम्हणकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह सपोर्टिंग रोल में हैं. फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया ने लिखा और निर्देशित किया है. यह फिल्म 6 दिसंबर को दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों में प्रीमियर के लिए तैयार है.

स्टाइलिश पिंक लहंगे में नुसरत भरूचा ने बिखेरा जलवा, गॉर्जियस अवतार ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर अक्सर अपने लुक्स से लाइमलाइट लूटती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। वो अपनी एक्टिंग से अक्सर फैंस का दिल जीत लेती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।

इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने पिंक कलर का स्टाइलिश लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।ओपन हेयर, सिर पर मांगटीका, हाथों में बैंगल्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।नुसरत भरूचा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

जिले में केंद्रों पर नही है उर्वरक की कमी सभी केंद्रों पर दिया जा रहा उर्वरक

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

सहकारिता विभाग में रबी अभियान में फास्फेटिक उर्वरक डीएपी का लक्ष्य 6644 मेट्रिक टन एवं एनपीके का लक्ष्य 1056 है नवंबर माह तक डीएपी का लक्ष्य 4933 मेट्रिक टन एवं एनपीके का लक्ष्य 792 मेट्रिक टन है, अब तक जनपद में फास्फेटिक उर्वरक डीएपी एवं एनपीके की उपलब्धता क्रमशः 4952 मेट्रिक टन एवं 1783 मेट्रिक टन है जिसमें से 115 बिक्री केंद्रों को 3495 मेट्रिक टन डीएपी एवं 1261 मेट्रिक टन एनपीके वितरण हेतु उपलब्ध कराया जा चुका है तथा बिक्री केंद्रों द्वारा 3235 मेट्रिक टन डीएपी एवं 1071 मेट्रिक टन एनपीके वितरण किया जा चुका है अवशेष 260 मेट्रिक टन डीएपी एवं 190 मेट्रिक टन एनपीके बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध है जो लगातार वितरण कर रही हैं जनपद में समस्त बिक्री केंद्र नियमित रूप से खुल रही है तथा उर्वरक का वितरण कार्य कर रही हैं जनपद में उर्वरक की कोई कमी नहीं है जनपद में समितियेध्बिक्री केंद्रों पर प्रत्येक दिन पीसीएफ गोदाम से बिक्री केंद्रों पर उर्वरक प्रेषित किया जा रहा है।

राप्ती नदी पर बनाये गए रेगुलेटर बाक्सिंग की गुडवत्ता खराब होने से जिलाधिकारी ने व्यक्त की नाराजगी

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डॉ0 द्वारा सिंचाई विभाग द्वारा राप्ती नदी के दाएं तट पर स्थित बांसी– बनकटा तटबंध के किमी 0.300 पर एक अदद सिंगल बैरल रेगुलेटर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा रेगुलेटर बॉक्सिंग की गुणवत्ता ठीक नहीं पाया गया, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता सिंचाई निर्माण खंड को पुनः गुणवत्तापूर्ण बनवाने का निर्देश दिया।

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा कराए गए सड़क निर्माण का जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जिलाधिकारी डॉ0 राजा गणपति आर द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा कराये गये प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बांसी– धानी रोड सेमरा से बेलौहा वाया मरवटिया बाजार निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सड़क निर्माण हेतु स्वीकृत कार्य के स्टीमेट एवं एम0बी0 का मिलान किया गया कार्य मानक के अनुरूप पाया गया जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्माण कार्य समय से व गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया साथ ही ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा कराये गये प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बांसी– धानी रोड से चोरईताल वाया टीकुर कुड़जा निर्माणाधीन सड़क का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सड़क निर्माण हेतु स्वीकृत कार्य के स्टीमेट एवं एम0बी0 का मिलान किया तथा सड़क को खुदवा कर देखा गया कार्य मानक के अनुरूप पाया गया जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्माण कार्य समय से व गुणवत्तापूर्ण कराने का निर्देश दिया।

शिवद्वार मंदिर के हितकारी संस्था ने शंकर पार्वती भूमि पर खतौनी में फर्जी पारिवारिक व्यक्तियों के नामांतरण को लेकर न्यायालय में वाद किया दाखिल

घोरावल (सोनभद्र) (आरएनएस) शिवद्वार मंदिर के हितबद्ध संस्था शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति द्वारा शंकर पार्वती के भूमि आराजी नंबर 156 मौजा सत्तद्वारी परगना बड़हर तहसील घोरावल जिला सोनभद्र रकबा 0.351 हेक्टेयर खतौनी में फर्जी नामांतरण हुआ है जिस संबंध में न्यायालय उप जिलाधिकारी घोरावल में वाद दाखिल किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश गिरी आदि के परिवार द्वारा उक्त भूमि में तहसील घोरावल को धोखा देकर वरासत कराया गया है किसी भी देवी, देवताओं के नाम से भूमि पर किसी व्यक्ति का नाम राजस्व खतौनी में वरासत से अंकित हो गया है । उपरोक्त प्रकरण में अमित मिश्रा द्वारा आयुक्त विंध्याचल मंडल मिर्जापुर के अध्यक्षता में हुए तहसील दिवस पर 19 सितंबर 2023 को अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व के समक्ष शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया जिसमे एडीएम द्वारा मामले को संज्ञान लेकर उप जिलाधिकारी घोरावल टीम गठित कर एक वृहद जांच रिपोर्ट लेकर आवश्यक कार्यवाही करने के क्रम में आदेश दिया गया। एसडीएम द्वारा पत्र में तहसीदार घोरावल को एडीएम के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के क्रम में आदेश दिया गया। कार्यालय तहसीलदार घोरावल सोनभद्र पत्रांक संख्या 608 (4)ध्सात रा0व0 नि0 व(कार्या व कार्यध्शिव व धाम जा0 व0 टी0 व 2023) 20 सितम्बर 2023 को नायब तहसीलदार को नोडल नामित करते हुए राजस्व निरीक्षक लाल क्षेत्रीय लेखपाल विनोद दुबे समेत कुल 7 लोगों कि राजस्व विभाग कि टीम गठित करके ग्राम सत्तद्वारी में स्थित शिव पार्वती मंदिर (शिवद्वार धाम) विस्तृत जांच आख्या उपलब्ध करायए जाने का आदेश दिया गया जांचोपरांत आख्या एसडीएम घोरावल को प्रेषित हुआ जिसके क्रम में कार्यालय उप जिलाधिकारी घोरावल सोनभद्र पत्रांक संख्या 808ध्शि0 व प्रा0 वध्2023 4 नवम्बर 2023 को उक्त आराजी के संबंध में अपने पत्र के माध्यम से आवेदक को अवगत कराया गया कि आराजी नंबर 156 रकबा 0. 351 हे0 व भूमि जिल्द बंदोवस्त में शंकर पार्वती सर्वराकर गंगा गिरी,हरिशंकर गिरी,नागेश्वर गिरी पुत्रगण ईश्वर गिरी निवासी स्थानीय दर्ज है तथा वर्तमान खतौनी में शंकर पार्वती गंगा गिरी, हरिशंकर गिरी, नागेश्वर गिरी पुत्रगण ईश्वर गिरी के वारिसो का नाम दर्ज हैं। जिसे न्यायालय उप जिलाधिकारी घोरावल में संशोधन संबंधित साक्ष्य के साथ प्रस्तुत कर अनुतोष प्राप्त कर सकते हैं जिसके फलस्वरूप शिवद्वार मन्दिर के हितबद्ध संस्था शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति के अध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्र द्वारा न्यायालय उप जिलाधिकारी घोरावल में संशोधन संबंधित साक्ष्य के साथ मुकदमा नंबर 119ध2 27 जुलाई 2024 को पंजीकृत कराया गया है। बताते चलें कि शिव पार्वती मंदिर शिवद्वार धाम के जमीनी विवाद के मुकदमे में मु0 व न0 वध1215ध2018 न्यायालय ओम प्रकाश राय सदस्य राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज में संतराम गिरि बनाम सरकार आदि के मुकदमे में अपील लम्बन काल के दौरान शिवद्वार मंदिर के हित्तबद्ध संस्था होने के हैसियत से शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति अध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्र द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार कि ओर से तीसरा पक्षकार बनकर मामले को निस्तारण कराया गया है श्रावण मास, शिवरात्रि, बसंत पंचमी आदि महापर्व पर शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति द्वारा जिला प्रशासन सोनभद्र के साथ बैठक कर मेला व्यवस्था में क्षेत्रीय गणमान्य लोगों सहयोग करते रहते हैं उप जिलाधिकारी घोरावल सोनभद्र द्वारा संदर्भ संख्या 20020022007160 में पत्रांक मेमो ध्रा0 व लि0 व आइजी व आरएस व जांच रिपोर्टध2022 3 जनवरी 2023 अपने जांच

आख्या में अवगत कराया गया है कि शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति जिलाधिकारी सोनभद्र के निर्देशन में गठित संस्था है जिसका रजीव 06656ध2021 22 है जिसका बैठक 02 दिसम्बर 2022 को रखी गई थी जो शांति पूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गई हैं यह मंदिर पर सक्रिय संस्था है साथ में स्पॉट मेमो संलग्न है पत्रांक व दिनांक उपरोक्त शिवद्वार धाम अति प्रसिद्ध लोकप्रिय धर्मस्थल है जहा कई प्रदेशों जैसे झारखंड,विहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ़ तक के भक्तगढ़ दर्शन पूजन करने आते रहते हैं। श्रावण मास, शिवरात्रि, बसंत पंचमी पर बहुत बड़ा मेला लगता हैं।

भगवान बिरसा मुण्डा की भाजपाइयों ने मनाई जन्म जयन्ती

सोनभद्र (आरएनएस)। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर भगवान बिरसा मुण्डा की जन्म जयन्ती भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल के नेतृत्व मे कार्यकर्ताओं द्वारा मनाई गयी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 के दशक में एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता का नाम करमी पुर्ती (मुंडा) था। साल्गा गाँव में प्रारंभिक पढ़ाई के बाद वे चाईबासा विद्यालय में पढ़ाई करने चले गए। बिरसा मुंडा को उनके पिता ने मिशनरी स्कूल में यह सोचकर भर्ती किया था कि वहाँ अच्छी पढ़ाई होगी लेकिन स्कूल में ईसाईयत के पाठ पर जोर दिया जाता था 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने कुटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को लगातार जल–जंगल–जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने लगे। हालाँकि आदिवासी विद्रोह करते थें, लेकिन संख्या बल में कम होने एवं आधुनिक हथियारों की अनुपलब्धता के कारण उनके विद्रोह को कुछ ही दिनों में दबा दिया जाता था। यह सब देखकर बिरसा मुंडा विचलित हो गए, और अंततः 1895 में अंग्रेजों की लागू की गयी जमींदारी प्रथा और राजस्व–व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ–साथ जंगल–जमीन की लड़ाई छेड़ दी। यह मात्र विद्रोह नहीं था। यह आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। उन्होने कहा कि धीरे–धीरे बिरसा मुंडा का ध्यान मुंडा समुदाय की गरीबी की ओर गया। आदिवासियों का जीवन अभावों से भरा हुआ था और इस स्थिति का फायदा मिशनरी उठाने लगे थे और आदिवासियों को ईसाईयत का पाठ पढ़ाते थे। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि गरीब आदिवासियों को यह कहकर बरगलाया जाता था कि तुम्हारे ऊपर जो गरीबी का प्रकोप है वो ईश्वर का है। हमारे साथ आओ हमें तुम्हें भात देंगे कपड़े भी देंगे। उस समय बीमारी को भी ईश्वरी प्रकोप से जोड़ा जाता था। 20 वर्ष के होते होते बिरसा मुंडा वैष्णव धर्म की ओर मुड़ गए जो आदिवासी किसी महामारी को दैवीय प्रकोप मानते थे उनको वे महामारी से बचने के उपाय समझाते और लोग बड़े ध्यान से उन्हें सुनते और उनकी बात मानते थें। आदिवासी हैजा, चेचक, साँप के काटने बाघ के खाए जाने को ईश्वर की मर्जी मानते, लेकिन बिरसा उन्हें सिखाते कि चेचक–हैजा से कैसे लड़ा जाता है। वो आदिवासियों को धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए कहते और साथ ही साथ मिशनरियों के कुचक्र से बचने की सलाह भी देते। धीरे धीरे लोग बिरसा मुंडा की कही बातों पर विश्वास करने लगे और मिशनरी की बातों को नकारने लगे। बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें धरती बाबा कहा जाने लगा। लेकिन आदिवासी पुनरुत्थान के नायक बिरसा मुंडा, अंग्रेजों के साथ साथ अब मिशनरियों की आँखों में भी खटकने लगे थे। अंग्रेजों एवं मिशनरियों को अपने मकसद में बिरसा मुंडा सबसे बड़े बाधक लगने लगे। और कहा कि भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 नवंबर 2021 को आयोजित बैठक में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिन को भारत के एक वीर स्वतंत्रता सेनानी को याद किया जाता है।

गौरव दिवस के रूप में मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती

सोनभद्र। (आरएनएस) भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती को शुक्रवार को जनजाति गौरव दिवस के रूप में सेवाकुंज आश्रम चपकी मे मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय जनजाति रक्षामंच गणेश राम भगत, उपाध्यक्ष अनुसूचित जातिध्जनजाति आयोग जीत सिंह खरवार, सेवाकुंज आश्रम के संचालक आनन्द विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने दीप प्रज्ज्वलन कर भगवान बिरसा मुंडा व रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किये। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित समुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी के आदर्श न जनजाति बल्कि देश के सभी समुदायों के युवाओं के लिए गर्व व प्रेरणा के स्रोत हैं, बिरसा मुंडा जी ने देश की आजादी में कठिन संघर्ष किये, जनजाति गौरव दिवस 15 से 26 नवम्बर,2024 तक मनाया जा रहा है, जनजाति समुदाय के लोगों को आज वनाधिकार के पट्टे का भी वितरण भी किया गया, जिससे कि उन्हें वन भूमि पर मालिकाना हक मिलेगा, वनाधिकार पट्टे को खतौनी के रूप में भी परिवर्तित करने की कार्यवाही की जा रही है, जनजाति समुदाय के विकास के लिए जनपद के जनजाति बाहुल्य ग्रामों को चयनित किया गया है, जिन्हें प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 17 प्रकार की योजनाओं के माध्यम से विकसित किया जायेगा और सरकार की मंशा के अनुरूप जनजाति समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। इस मौके पर उपाध्यक्ष अनुसूचित जातिध्जनजाति आयोग जीत सिंह खरवार, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी ने आश्रम में स्थाापित श्रीकृष्ण गौसेवा केन्द्र में हवन पूजन कर गौसेवा केन्द्र का शुभारंभ किया गया।

आ रही अड़चनों की ली जानकारी, विवादित भूमि के स्वामी से की वार्ता

म्योरपुर(सोनभद्र) (आरएनएस) म्योरपुर स्थित निर्माणाधीन हवाई पट्टी का शुक्रवार को जिलाधिकारी बी एन सिंह ने औचक निरीक्षण कर आ रही अड़चनों की जानकारी लेते हुए विवादित भूमि के स्वामी जौहर हुसैन पुत्र समद हुसैन को मौके पर बुला वार्ता की,भूमिस्वामी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश लिया गया है। म्योरपुर पहुंचे जिलाधिकारी ने हवाई पट्टी के विस्तारीकरण के अब तक हो चुके कार्यों का निरीक्षण किया। रुके कार्य को गति देने की दिशा में उन्होंने भूस्वामी से गतिरोध का कारण पूछा,जौहर हुसैन ने उसकी लगभग तीन बीघा भूमि विस्तारीकरण की जद में आ रही है के संबंध में बताया कि उसे मुआवजा नहीं दिया गया है,भूस्वामी ने कहा कि उसे मुआवजा का भुगतान,पार्किंग व कैंटीन का कार्य दिए जाने की मांग रखी,हवाई पट्टी के बाद डीएम खनता पिकनिक स्पॉट के सौंदर्यीकरण के कार्य स्थल का निरीक्षण करने पंडरी गए जहां उन्होंने प्रस्तावित स्थल को देखा तथा संबंधितों से जानकारी ली। उन्होंने प्रस्तावित क्षेत्र में एक किसान सुखराज से उसकी भूमि प्रस्तावित क्षेत्र में आने पर किसान से भी वार्ता की,सुखराज ने अपनी भूमि पिकनिक स्पॉट के सौंदर्यीकरण के लिए देने में सहमति व्यक्त की।

प्रकाश उत्सव जयंती पर भजन कीर्तन कर नगर में निकली शोभा यात्रा

सोनभद्र (आरएनएस) । गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा राबर्ट्सगंज में सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव जयंती समारोह बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया इस दौरान गुरुद्वारा साहब को फूल माला झालर बत्ती से सजाया गया इसी क्रम में कई दिनों तक प्रभात फेरी भी निकल गई नगर में अखंड पाठ की समाप्ति के बाद भाई– सुरजनत सिंह वह दया सिंह द्वारा भजन कीर्तन का गायन किया गया। इसके बाद जालंधर से आए रागी जाता भाई सतनाम सिंह व उनके साथियों द्वारा शबद कीर्तन कथा का गायन किया गया तत्पश्चात सरदार जसवीर सिंह ने गुरु नानक देव जी के बारे में बताया गुरु साहब का जन्म सन 1469 मैं तलवंडी नामक स्थान में हुआ था बाद में इनका नाम ननकाना साहब हो गया यह स्थान वर्तमान में पाकिस्तान में है इस समय समाज में नैतिकता गिर चुकी थी अंधविश्वास छुआछूत पूर्ण व्यवस्था उच्च नीच में समाज भरा हुआ था सब कर्म ने विदेशी आक्रमण कार्यों को आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया तथा उन्होंने भारत पर आक्रमण करके गुलाम बना लिया भारत की स्वतंत्रता समाप्त हो गई हम सदियों तक पराधीन रहे वह इसके कारण हमारी सोच मानसिकता स्थानी रूप से गुलाम हो गई हमारा आत्म विश्लेषण व स्वाभिमान जैसे गुण कहीं खो गया इसको दूर करने के लिए गुरु साहिब ने पंगत व संगत की प्रथा चलाई जिससे छुए छू दूर हो वह बराबरी का बोध हो समाज में नारी को सम्मान देने की बात की अपनी कमाई का दसवां हिस्सा समाज में भलाई का आकार करने के लिए खर्च करने को कहा श्री गुरु नानक देव जी ने अपनी बात ना उपदेश जन–जन तक पहुंचाने के लिए लगभग 14 वर्षों तक पैदल ही एशिया महाद्वीप की यात्राएं भी की गुरु जी ने अपने कार्यों को ईमानदारी से करने के लिए कहा तथा किसी का हक न करने की बात करी दुनिया में सभी जीव बराबर हैं उनका रचयिता एक है अतः कोई बुरा या भला कैसे हो सकता है अवल अल्लाह नूर उपाया कुदरत दे सब बंदे एक नूर ते सब जग उपजियां कौन भले कौन मंदे तत्पश्चात कार्यक्रम की समाप्ति हुई वह प्रसाद वितरण हुआ और हजारों लोगों ने लंगर में भोजन ग्रहण किया दिन में 4रू00 से गुरु ग्रंथ साहब जी की शोभायात्रा प्रारंभ हुई गुरु नानक बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा पॉइंट वह अन्य खेल का प्रदर्शन किया मिर्जापुर से गतका पार्टी द्वारा अपने विभिन्न प्रकार के खेल कर्तव्य दिखाए गए मुगलसराय चंदौली चकिया अरोड़ा राजगढ़ चोपन ओबरा स्थान से भी संगत भाई तथा महिलाएं बच्चे पुरूष ढोल के साथ भजन कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया शोभा यात्रा रात्रि 8रू00 बजे गुरुद्वारा साहब आकर समाप्त हुई रास्ते में स्थान स्थान पर शोभा यात्रा में शामिल लोगों ने चाय पानी नाश्ता वह प्रसाद का लुफ्त उठाया गुरुद्वारा साहब के वासी पर आतिशबाजी का भव्य प्रदर्शन भी किया गया। पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अजीत सिंह दया सिंह देवेंद्र सिंह भंडारी परम ब्रह्म सिंह चरणजीत सिंह मनजीत सिंह बलकार अमन रणजीत सिंह रवि सोनू संतोष सिंह तजविंदर पाल सिंह केक जसपाल सिंह रजनीश जी गुरविंदर सिंह आदि लोग सहयोग दिया पूरे कार्यक्रम को कमलेश सिंह खंबे द्वारा संचालन मिल कर सरदार जसवीर सिंह ने किया।

एनटीपीसी विंध्याचल में जेम की बालिकाओं को किया साइकिलों का वितरण

सोनभद्र (आरएनएस)। एनटीपीसी विंध्याचल ने सुहासिनी संघ के तत्वावधान में और सीएसआर के सहयोग से 14 नवंबर को, बाल दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर, अध्यक्षा,संयुक्ता महिला समिति किरण सिंह और वरिष्ठ गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को साइकिलों का वितरण किया, जो एनटीपीसी की शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साइकिल वितरण का मुख्य उदेश्य बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने, पढ़ाई करने और आगे बढ़ने हेतु किया गया।दिल्ली पब्लिक स्कूल और डिपॉल स्कूल, विंध्यनगर की कक्षा 6 की 10 छात्राओं (जेम लाभार्थियों) को साइकिलें दी गईं। यह पहल, जो युवा लड़कियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के समर्थन में की गई है, एनटीपीसी विंध्याचल की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो लड़कियों की शिक्षा और गतिशीलता में आने वाली रुकावटों को दूर करने के लिए है।

यह कदम एनटीपीसी के व्यापक सीएसआर मिशन के अनुरूप है, जो स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से युवा लड़कियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है ताकि वे बिना किसी रुकावट के अपनी शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ सकें।इस कार्यक्रम में संयुक्ता महिला समिति की अन्य वरिष्ठ वरिष्ठ सदस्या (संयुक्ता महिला समिति) सुनीता जयकुमार श्रीनिवासन, मीनाक्षी श्रीवास्तव, आभा जाडली, अनुपमा श्रीवास्तव, भी उपस्थित रहीं। अध्यक्षा (उत्तरा महिला क्लब) विजया राव और वरिष्ठ सदस्या(उत्तरा महिला क्लब) संगीता सिन्हा रॉय भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहीं। सुहासिनी संघ की अध्यक्षा सरोजा फणि कुमार, अध्यक्षा (वनिता समाज) पीयूषा अकोटकर और अन्य गणमान्य लोग भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

सुहासिनी संघ द्वारा विद्यालय की छात्रायेँ साइकिल पाकर काफी प्रसन्न दिखीं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं सभी बच्चियों के अभिभावक द्वारा एनटीपीसी विंध्याचल सुहासिनी संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुये आभार प्रकट किया गया।साथ ही अध्यक्षा,संयुक्ता महिला समिति किरण सिंह और उपस्थित अन्य वरिष्ठ गणमान्य अतिथियों द्वारा परियोजना परिसर मे स्थित सर्वेश्वर मंदिर मे पुजा अर्चना किया गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।